दैनिक

बुलन्द मंज़िल

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 137 | संभल, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

अब मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6 घंटे में

पीएम मोदी ने 12 जिलों को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

'सपा विकास विरोधी भी है और नारी विरोधी भी': पीएम मोदी

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का बुधवार को हरदोई के मल्लावां में उद्घाटन किया। आधिकारिक बयान के अनुसार लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा के समय को वर्तमान 10-12 घंटे से घटाकर लगभग छह घंटे कर देगा। इसमें कहा गया कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ता है। इससे पहले, प्रधानमंत्री के हरदोई पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हरदोई से एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ राज्य की विकास यात्रा को नयी गति मिलेगी। उन्होंने छह लेन एक्सप्रेसवे को गांवों, किसानों, उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली जीवन रेखा बताते हुए कहा कि यह विकास को गति देने और दूरियां समेटने में अहम भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी इस परियोजना को देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक और राज्य को आधुनिक बुनियादी ढांचे का तोहफा बताया। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) की प्रदर्शनी का अवलोकन करने, पौधरोपण करने और जनसभा को संबोधित करने के बाद दोपहर में वापस लौटने का कार्यक्रम है। बयान में कहा गया कि इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया गया है। यह छह लेन का एक्सप्रेसवे है, जिसे आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। आधिकारिक बयान के अनुसार इसकी एक प्रमुख विशेषता शाहजहांपुर के पास बनी 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी है, जहां आपात स्थिति में वायुसेना के विमान उतर सकते हैं। इसमें कहा गया कि पूरे मार्ग पर उन्नत तकनीक आधारित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी कॉल बॉक्स और एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। बयान में कहा गया कि एक्सप्रेसवे के किनारे इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (आईएमएलसी) विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़े गोदाम, शीतगृह और खाद्य प्रसंस्करण केंद्र जैसी सुविधाएं निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में सहायक होंगी। यह एक्सप्रेसवे पूर्वांचल, आगरा-लखनऊ, बुंदेलखंड और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सहित अन्य प्रमुख कॉरिडोर से भी जुड़ेगा, जिससे एक विशाल अंतरसंपर्क तंत्र तैयार होगा। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगी और उत्तर प्रदेश को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में अहम भूमिका निभाएगी।

एअर इंडिया के पायलट को अचानक पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में तोड़ा दम, होटल में कर रहा था आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हवा में हजारों फीट की ऊंचाई पर विमान उड़ाने वाले पायलट अक्सर हमारी सुरक्षित यात्रा की गारंटी होते हैं। लेकिन क्या हो जब आराम के दौरान ही किसी पायलट की अचानक मौत हो जाए? इंडोनेशिया के बाली से एक बेहद दुखद और हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एअर इंडिया के एक पायलट की अचानक जान चली गई, जिससे एयरलाइन कंपनी और विमानन क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

यह दर्दनाक हादसा बुधवार को इंडोनेशिया के बाली में हुआ। एअर इंडिया का यह पायलट करीब 40 साल का था और फर्स्ट ऑफिसर के पद पर तैनात था। मंगलवार को ही इस पायलट ने सुरक्षित तरीके से दिल्ली से बाली तक की फ्लाइट उड़ाई थी। उड़ान के बाद वह नियमों के अनुसार होटल में आराम कर रहा था। तभी अचानक उसके सीने में तेज दर्द हुआ, जो दिल का दौरा (हार्ट अटैक) साबित हुआ और उसकी मौत हो गई।

होटल के कमरे में अचानक क्या हुआ था पायलट के साथ?

पायलट अपनी फ्लाइट की ड्यूटी खत्म करने के बाद बाली के एक होटल में निर्धारित समय के लिए आराम कर रहा था। आराम के दौरान ही उसे सीने में तेज दर्द और भारी बेचैनी महसूस हुई।

पायलट की शिकायत के तुरंत बाद उसे पास के एक अस्पताल में ले जाया गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि उसे गंभीर दिल का दौरा पड़ा है।

मेडिकल टीम की तमाम कोशिशों के बावजूद इस युवा पायलट को बचाया नहीं जा सका।

इस घटना पर एअर इंडिया का क्या कहना है?

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर इस दर्दनाक घटना की जानकारी दी है।

कंपनी ने अपने कॉकपिट क्रू मेंबर की अचानक हुई इस मौत पर गहरा दुख जताया है।

बंगाल का सियासी रणः पोलिंग बूथ पर खूनी संघर्ष, भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता भिड़े

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के दौरान उत्तर 24 परगना जिले में भारी हिंसा की खबर सामने आई है। मतदान के आखिरी घंटों में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। यह घटना जिले के बूथ नंबर 120, अरबिंदा रैली क्षेत्र की है। मतदान प्रक्रिया जारी रहने के दौरान ही दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी और मारपीट हुई। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियों को मौके पर भेजा गया। भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकताओं पर हमले का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग इस घटना पर पैनी नजर बनाए हुए है। बूथ संख्या 120 पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तनाव काफी समय से बना हुआ था। जैसे ही मतदान अंतिम दौर में पहुंचा, हिंसा भड़क उठी। वीडियो फुटेज में कार्यकताओं को एक-दूसरे पर हमला करते और अपशब्दों का प्रयोग करते देखा गया है। सुरक्षाबलों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज का भी सहारा लिया।

दूसरे चरण में करीब 90% मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण का मतदान खत्म होते ही उत्तर 24 परगना के अरबिंद रैल इलाके में भारी हिंसा भड़क गई। यहां बूथ नंबर 120 पर टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पत्थरबाजी हुई। इस झड़प में कई लोगों के घायल होने की खबर है। हिंसा की सूचना मिलते ही भारी संख्या में सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। इलाके में अभी भी तनाव का माहौल बना हुआ है और सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च शुरू कर दिया है। नोआपाड़ा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने मतदान के अंतिम घंटों में गंभीर धांधली का आरोप लगाया है। अर्जुन सिंह के अनुसार, एक स्थानीय पार्षद के पति ने फर्जी तरीके से चार बूथों के कार्ड बनवा लिए हैं और वह जबरन मतदान केंद्रों में घुसकर वोट डाल रहा है। सिंह ने आरोप लगाया कि वहां मौजूद पीठासीन अधिकारी सब कुछ देखकर भी चुप हैं। उन्होंने इस मामले की शिकायत चुनाव आयोग से करने की बात कही है। भाजपा नेता ने दावा किया कि उनके समर्थकों को डराया जा रहा है ताकि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सके। पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद भी राज्य में सुरक्षा चाक-चौबंद रहेगी। चुनाव आयोग की तैनाती योजना के अनुसार, आज पोलिंग खत्म होने के बाद भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 700 कंपनियां राज्य में ही रुकी रहेंगी। ये कंपनियां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और कानून-व्यवस्था की ड्यूटी संभालेंगी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि अगले आदेश तक ये बल बंगाल में तैनात रहेंगे ताकि चुनावी नतीजों से पहले और बाद में किसी भी तरह की हिंसा या गड़बड़ी को रोका जा सके। यह फैसला राज्य के संवेदनशील माहौल को देखते हुए लिया गया है। मुख्यमंत्री और भवानीपुर से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने अपनी जीत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फेसबुक के जरिए दावा किया कि उनके पास मौजूद जानकारी के अनुसार भाजपा बंगाल में हार की कगार पर है। ममता बनर्जी ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में दो-तिहाई बहुमत के साथ फिर से अपनी सरकार बनाने जा रही है।

उन्नाव में 'खूनी' बुधवारः डंपर की टक्कर से छह की मौत

मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार; सीएम योगी का मुआवजे का एलान

उन्नाव। बिहार-बक्सर मार्ग पर बुधवार का सूरज खुशियां नहीं, बल्कि 'खून' लेकर आया। भोर के उजाले के साथ ही एक भीषण हादसे ने पूरे जिले को दहला दिया। मां चंडिका के दरबार में 3 साल के मासूम शुभ का मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे परिवार के लिए यह बुधवार 'खूनी' साबित हुआ। एक बेकाबू डंपर ने बोलेरो को ऐसी टक्कर मारी कि मंगल गीत पल भर में चीख-पुकार और मौत के सन्नाटे में बदल गए। इस भयावह हादसे में अब तक छह लोगों की जान जा चुकी है, जबकि पांच अन्य लोग अस्पताल में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पठई गांव निवासी मालती अपने 3 वर्षीय पुत्र सूरज उर्फ शुभ का मुंडन कराने के लिए सगे-संबंधियों के साथ बक्सर स्थित चंडिका देवी मंदिर गई थीं। मंदिर में ढोल-नगाड़ों और मंगल गीतों के बीच मुंडन की रस्में पूरी हुईं। परिवार हंसी-खुशी बोलेरो से घर लौट रहा था, जहां मुंडन की दावत और उत्सव की तैयारियां चल रही थीं। जैसे ही गाड़ी बिहार-बक्सर मार्ग पर कीरतपुर गांव के पास पहुंची, तेज रफ्तार डंपर ने उनकी खुशियों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मंगल गीत पल भर में चीख-पुकार में बदल गए। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वह डंपर के नीचे दब गई। मलबे के भीतर लाशें बिछी थीं और चारों तरफ खून ही खून पसरा था। चीखें सुनकर मौके पर दौड़े ग्रामीणों की भी रूह कांप गई। जिस नन्हे शुभ के मुंडन की खुशियां मनाई जा रही थीं, वह अपनी घायल मां मालती की गोद में लहूलुहान हालत में मिला। पठई गांव में जहां बुधवार को मुंडन की दावत होनी थी, वहां अब एक साथ छह अर्थियां उठने की तैयारी हो रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भागने में सफल रहा। डंपर को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। मां मालती समेत सभी सात घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर फरार चालक की तलाश में टीमें लगा दी हैं।

मां की गोद में सहम गया मासूम, मलबे में दबी जिंदगी

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डंपर की टक्कर के बाद बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वह डंपर के नीचे ही खंती में दब गई। जब ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया, तो नजारा देख उनकी रूह कांप गई। गंभीर रूप से घायल मां मालती अपने जिगर के टुकड़े शुभ को सीने से लगाए मलबे में फंसी थीं। मां की गोद में शुभ बिल्कुल सहमा हुआ था, जैसे वह समझ ही नहीं पा रहा हो कि अभी कुछ देर पहले मंदिर में जो खुशियां थीं, वो अचानक लहूलुहान चीखों में कैसे बदल गईं। हादसे में मालती को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

दावत वाले घर में अब उठ रहे जनाजे

पठई गांव में जिस घर में मुंडन के भोज की तैयारी के लिए चूल्हे जल रहे थे, वहां अब कोहराम मचा है। हादसे की खबर मिलते ही गांव में सन्नाटा पसर गया और लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। बोलेरो सवार मृतकों के शव जब मलबे से निकाले गए, तो परिजनों के करुण क्रंदन से पूरा इलाका दहल उठा। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद डंपर के नीचे से बोलेरो को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

सीएम योगी ने जताया दुख, मुआवजे का एलान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस 'खूनी बुधवार' की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायलों के इलाज में कोई कसर न छोड़ी जाए।

चार जिलों में महिलाओं ने निकालीं रैलियां, गोलीबारी की घटना का किया विरोध; ऑडियो टेप की जांच की मांग

चुराचांदपुर (एजेंसी)। मणिपुर के चार जिलों के कुकी बहुल इलाकों में बुधवार को हजारों लोगों ने रैलियां निकालीं। ये रैलियां उखरूल जिले के एक गांव में 24 अप्रैल को हुई गोलीबारी की घटना के खिलाफ निकाली गईं। गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी। रैलियों में लोगों ने 2024 में जातीय हिंसा के दौरान सामने आए पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से जुड़े कथित ऑडियो टेप की सच्चाई सामने लाने के लिए न्यायिक कार्रवाई तेज करने की भी मांग की।

किन संगठनों ने आयोजित कीं रैलियां?

ये प्रदर्शन मानवाधिकार के लिए कुकी महिला संगठन (केडब्ल्यूओएचआर) और कुकी महिला संघ (केडब्ल्यूओ) की ओर से आयोजित किए गए थे। प्रदर्शन कांगपोकपी, चंदेल और तेंगनौपाल जिलों में किए गए। चुराचांदपुर शहर के कोईते मैदान में दोनों संगठनों के नेताओं ने 24 अप्रैल को उखरूल के मुलम और सोंगफेल गांवों पर हुए हमले की निंदा की। इन गांवों में कुकी समुदाय के लोग रहते हैं और यहां संदिग्ध उग्रवादियों के साथ गोलीबारी में दो लोगों की मौत हुई थी।

राज्य जातीय हिंसा के बाद अब क्या स्थिति है?

मई 2023 से मणिपुर में घाटी में रहने वाले मेतेई और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा में 260 लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। लगातार हिंसा और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था, जिसे लगभग एक साल बाद चार फरवरी को हटा लिया गया।

सीएम योगी ने शिव मंदिर पर किया ध्वजारोहण

बोले- हमें देखते ही लोगों के मुख से निकलता है 'जय श्री राम'

अयोध्या। श्रीराम मंदिर परिसर में धार्मिक उल्लास के बीच शिव मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ध्वज फहराया। इससे पूर्व उन्होंने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। वैदिक आचार्यों की उपस्थिति में पूरा कार्यक्रम पारंपरिक विधि-विधान से सम्पन्न हुआ। परिसर के अन्य उपमंदिरों में भी ध्वज आरोहण की प्रक्रिया जारी है। माता भगवती मंदिर पर साध्वी रितम्भरा ध्वज आरोहित करेंगी, जबकि शेषावतार मंदिर पर केशव प्रसाद मौर्य ध्वज फहराएंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद के प्रतिनिधियों सहित अनेक संत-महंत शामिल हुए। निर्धारित समय शाम 4:45 बजे उनका कार्यक्रम तय था। लेकिन, अचानक बदले मौसम ने व्यवस्था प्रभावित कर दी। तेज हवा, रिमझिम बारिश और घने बादलों के कारण उनका हेलीकॉप्टर राम कथा पार्क में उतर नहीं सका और उसे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या में उतारना पड़ा। इसके बाद मुख्यमंत्री शाम 5:17 बजे श्री राम मंदिर, अयोध्या परिसर पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और शिव मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में करीब 1000 मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। जिसमें विश्व हिंदू परिषद, संघ व भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हैं। इसके बाद राममंदिर परिसर में मौजूद लोगों को संबोधित किया।

CMYK

संपादकीय

पटाखा उद्योग में सुरक्षा और संतुलन की जरूरत

देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे पटाखा फैक्ट्री विस्फोट चिंता का गंभीर विषय हैं, पर इसे केवल व्यवस्था की विफलता या केवल आर्थिक विवशता के नजरिए से देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह एक जटिल संकट है, जहां सुरक्षा, रोजगार और प्रशासनिक जवाबदेही, तीनों का संतुलन आवश्यक है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश में हाल के हादसों ने यह स्पष्ट किया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी कहीं-न-कहीं मौजूद है। बार-बार होने वाली घटनाएं यह संकेत देती हैं कि निरीक्षण तंत्र को अधिक प्रभावी और सतर्क बनाने की जरूरत है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर घटना को केवल लापरवाही करार देना समस्या के व्यापक संदर्भ को सीमित कर देता है। पटाखा उद्योग लाखों लोगों की आजीविका से जुड़ा है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां रोजगार के विकल्प सीमित हैं। ऐसे में कठोर प्रतिबंध या अचानक कार्रवाई न केवल उद्योग को प्रभावित करेगी, बल्कि हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिरता को भी झटका दे सकती है। इसलिए समाधान ऐसा होना चाहिए, जो सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए रोजगार की निरंतरता बनाए रखे। इस दिशा में दोहरी रणनीति की आवश्यकता है। एक ओर, अवैध इकाइयों और नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी ओर, वैध इकाइयों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और आधुनिक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्वचालन और बेहतर प्रबंधन प्रणाली से जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अंततः, यह केवल कानून लागू करने का प्रश्न नहीं, बल्कि एक संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने का मामला है। यदि प्रशासन, उद्योग और श्रमिक, तीनों मिलकर जिम्मेदारी साझा करें, तो न केवल हादसों को रोका जा सकता है, बल्कि इस उद्योग को सुरक्षित, टिकाऊ और अधिक मानवीय स्वरूप भी दिया जा सकता है। इसके लिए पारदर्शिता, निरंतर निगरानी और जनजागरूकता जैसे प्रयास भी समान रूप से आवश्यक होंगे। यही संतुलन पटाखा उद्योग के भविष्य की दिशा तय करेगा।

घरेलू संसाधनों से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की राह

माना जाता है कि इतिहास हमेशा ही वर्तमान की प्रयोगशाला होती है। लगभग पांच दशक पहले भारतीय ग्रामीण जीवन का एक सहज दर्शन था, 'जो है, जितना है, उसी में आवश्यकताओं की पूर्ति करो।' पूर्वजों द्वारा गढ़ा गया यह विचार संसाधनों की कमी का समाधान भर नहीं था, आत्मनिर्भरता का व्यावहारिक मॉडल भी था। आज जब विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिरताओं और भू-राजनीतिक तनावों से गुजर रही है, तब वही दर्शन एक नए रूप में हमारे सामने अवसर बनकर खड़ा है। फर्क बस इतना है कि अब यह सोच व्यक्तिगत जीवन से कहीं आगे निकलकर राष्ट्रीय ऊर्जा रणनीति का आधार बन सकती है। भारत के पास प्राकृतिक संसाधनों का विशाल भंडार है, विशेषकर जैविक ईंधन के रूप में कोयला। लंबे समय तक इसे केवल बिजली उत्पादन तक सीमित रखकर देखा गया, पर अब इसकी उपयोगिता का दायरा समय के अनुरूप कहीं व्यापक हो चुका है। कोयला गैसीकरण जैसी तकनीकें इसे ऊर्जा और औद्योगिक कच्चे माल के एक बहुआयामी स्रोत में बदल रही हैं। यह परिवर्तन न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी निर्णायक कदम साबित हो सकता है।

दरअसल, पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आयातित तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भरता किसी भी देश के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से जोखिमपूर्ण है। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85% कच्चा तेल और लगभग 50% प्राकृतिक गैस आयात करता है, इसका असर वैश्विक अस्थिरता के दौरान सीधा देश की कूटनीति और आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में घरेलू संसाधनों का वैज्ञानिक और रणनीतिक उपयोग अनिवार्य हो जाता है। कोयला गैसीकरण इसी दिशा में एक ठोस पहल है, जो ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को अधिक लचीला और आत्मनिर्भर बना सकता है। तकनीकी दृष्टि से देखें तो कोयले को गैसीकरण प्रक्रिया के जरिए 'सिनगैस' में परिवर्तित किया जाता है, जिसमें हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड व अन्य गैसों का मिश्रण होता है। यह सिनगैस मेथनॉल, डाइमिथाइल ईथर और अन्य रसायनों के उत्पादन में उपयोगी है। विशेष रूप

से मेथनॉल को एक अपेक्षाकृत स्वच्छ ईंधन माना जाता है, जो परिवहन क्षेत्र में पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों का विकल्प बन सकता है। वैश्विक शिपिंग उद्योग में इसकी बढ़ती मांग इसकी उपयोगिता को और भी मजबूत करती है।

इसके अतिरिक्त, कोयला गैसीकरण से उत्पन्न हाइड्रोजन ऊर्जा संक्रमण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभर सकती है। यदि इसे कार्बन कैप्चर तकनीकों के साथ जोड़ा जाए, तो 'ब्लू हाइड्रोजन' के रूप में इसका उपयोग उत्सर्जन को कम करने में सहायक हो सकता है। इस हाइड्रोजन से अमोनिया और उर्वरकों का उत्पादन भी संभव है, जिससे भारत की आयात निर्भरता घटेगी और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा आर्थिक दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र अत्यंत संभावनाशील साबित हो सकता है। हालांकि, कोयला गैसीकरण परियोजनाएं पूंजीगत रूप से बेहद महंगी और जटिल होने के बावजूद रोजगार सृजन की व्यापक क्षमता रखती हैं। खनन क्षेत्रों में एकीकृत औद्योगिक क्लस्टर विकसित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति दी जा सकती है। ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बड़े निवेश प्रस्ताव इस दिशा में बढ़ते विश्वास का संकेत हैं।

हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं। भारतीय कोयले में उच्च राख की मात्रा गैसीकरण प्रक्रिया को जटिल बनाती है, जिसके लिए उन्नत व आधुनिक तकनीकों की जरूरत होती है। साथ ही, इन परियोजनाओं में भारी व स्थाई प्रारंभिक निवेश, पर्यावरणीय स्वीकृतियां और कार्बन उत्सर्जन प्रबंधन जैसी बाधाएं भी खड़ी होंगी। लेकिन यदि ठोस नीति के साथ कार्ययोजना को स्पष्टता, पारदर्शिता और प्रोत्साहन मिलें, तो इन चुनौतियों को अवसर में बदला जा सकता है। सरकार द्वारा राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन की शुरुआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है, जिसका लक्ष्य आगामी 2030 तक बड़े पैमाने पर गैसीकरण को बढ़ावा देना है। यदि इसे प्रभावी ढंग से मूर्तरूप देते हुए जमीन पर उतारा जाए, तो यह ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक अभूतपूर्व बदलाव ला सकता है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत की ऊर्जा यात्रा किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं रह सकती। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ-साथ कोयले के स्वच्छ और उन्नत उपयोग का संतुलित मॉडल ही भविष्य का रास्ता है। यही वह बिंदु है जहां परंपरा और आधुनिकता का संगम होता है, जहां 'जो है, जितना है' का पुराना सिद्धांत, नई तकनीकों के सहारे, एक आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रख सकता है।

■ राममनोहर रायकवार

पुनर्वसु का तृतीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा दोपहर 4:00 बजे कर्क राशि का नक्षत्र पुनर्वसु का चतुर्थ चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा रात्रि 10:00 बजे कर्क राशि का नक्षत्र पुष्य का प्रथम चरण प्रारंभ होगा और उसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा। **योग**:- धृति। **करण**:- विष्टीभद्र। **आराधना का मंत्र**:- ॐ भं भैरवाय अनिष्टनिवारणाय स्वाहा।।

- **मेष राशि**:- समय आज ठीक नहीं है मन चिंता से ग्रस्त रहेगा कामकाज में बाधा उत्पन्न हो सकती है।
- **वृषभ राशि**:- सितारों की अनुकूलता लगातार बनी रहेगी कामकाज सफलता से ओतप्रोत रहेगा।
- **मिथुन राशि**:- समय आज पूरी तरह से आपकी मदद करेगा यश मान-सम्मान में वृद्धि होगी।
- **कर्क राशि**:- समय आज सामान्य है घरेलू परेशानियां बढ़ सकती हैं प्रेम संबंधों में प्रतिकूलता रह सकती।
- **वृश्चिक राशि**:- समय आज पूरी तरह से आपकी सहायता करेगा कार्यक्षेत्र शानदार रहेगा।
- **कन्या राशि**:- समय बेहद अनुकूलता से परिपूर्ण है यश मान-सम्मान में वृद्धि होगी भाग्य में आ रहे अवरोध दूर होंगे।
- **सिंह राशि**:- समय आज कमजोर सा है घर-परिवार को लेकर परेशानी आ सकती है वैवाहिक संबंध तनावपूर्ण रहेंगे।
- **तुला राशि**:- सितारों की अनुकूलता दोपहर बाद से और मजबूती की ओर अग्रसर है कार्यक्षेत्र बढ़िया रहेगा प्रेम संबंध मधुर रहेंगे।
- **धनु राशि**:- सितारे आज दोपहर बाद से बेहद शुभ होने जा रहे हैं जितने जरूरी काम हैं, दोपहर बाद ही करें माता से जुड़े हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।
- **कुंभ राशि**:- ग्रहों की अनुकूलता आज पूरे दिनभर बनी रहेगी इसका भरपूर लाभ उठाकर अपने जरूरी निर्णय और कार्य तेजी से संपन्न करें।
- **मीन राशि**:- समय बेहद शानदार बना हुआ है स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा कामकाज बढ़िया रहेगा प्रेम संबंध शानदार रहेंगे।
- **मकर राशि**:- शनि और चंद्रमा दोनों आपकी मदद कर रहे हैं इसका भरपूर लाभ उठाकर अपने आवश्यक कार्यों को तेजी से संपन्न करें प्रेम संबंध शानदार रहेंगे।

मझोली ताकतों का उभार और महाशक्तियों की रणनीतिक चुप्पी

आज की विश्व व्यवस्था एक निर्णायक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जहां महाशक्तियों की पारंपरिक निर्णायक भूमिका धीमी पड़ती दिख रही है और मध्यम शक्तियां कूटनीति के नए केंद्र बन कर उभर रही हैं। यह बदलाव केवल शक्ति संतुलन का नहीं, वैश्विक हितों, रणनीतियों और सहयोग के स्वरूप में गहरे परिवर्तन का संकेत भी है।

वर्तमान वैश्विक राजनीति एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ी है, जहां पारंपरिक महाशक्तियों की भूमिका अपेक्षाकृत धुंधली होती दिखाई दे रही है, जबकि छोटे और मझोले देश कूटनीतिक सक्रियता के नए केंद्र बनकर उभर रहे हैं। विशेषकर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव, इस बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। एक समय था जब ऐसे किसी भी बड़े संकट में अमेरिका, रूस या यूरोपीय शक्तियां खुलकर मध्यस्थता करती थीं, लेकिन अब उनका अपेक्षाकृत मौन रहना कई सवाल खड़े करता है। इस बदलती परिस्थिति में पाकिस्तान जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभाने का प्रयास कर रहे हैं। भले ही इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम की कोशिशें सफल नहीं रहीं, लेकिन यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि ऐसे प्रयास अब छोटे या मध्यम शक्ति वाले देशों द्वारा किए जा रहे हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि वैश्विक कूटनीति का स्वरूप बहुध्रुवीय होता जा रहा है, जहां हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए अवसरों की तलाश में है।

दरअसल, मिडिल पावर्स की सक्रियता के पीछे आदर्शवाद से अधिक व्यावहारिकता काम करती है। ये देश शांति स्थापित करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने के लिए मध्यस्थता करते हैं। युद्ध और अस्थिरता का सीधा असर इन्हीं देशों पर पड़ता है, चाहे वह शरणार्थी संकट हो, व्यापारिक बाधाएं हों या ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान। ऐसे में उनकी पहल को एक रणनीतिक निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति और स्पष्ट हुई है। दोहा में अमेरिका-तालिबान वार्ता, तुर्की द्वारा रूस-यूक्रेन संवाद की मेजबानी और सऊदी अरब की मध्यस्थ भूमिका इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

इन घटनाओं ने यह सिद्ध किया है कि अब वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए केवल बड़ी शक्तियों पर निर्भरता कम हो रही है। वहीं क्षेत्रीय और मध्यम शक्तियां अपने-अपने स्तर पर समाधान खोजने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि, अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि महाशक्तियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त हो रही है। उनका मौन अक्सर एक रणनीतिक चुप्पी होती है, जिसमें वे अपने दीर्घकालिक हितों और संबंधों को ध्यान में रखती हैं। अमेरिका, ईरान और इजरायल जैसे देशों के साथ संतुलन बनाए रखना किसी भी बड़े देश के लिए आसान नहीं है, इसलिए वे सीधे हस्तक्षेप से बचते हुए परोक्ष रूप से स्थिति पर नजर बनाए रखते हैं।

इस पूरे परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, जैसे संयुक्त राष्ट्र, अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई दे रही हैं। जब वार्ताएं उसके मंच के बाहर हो रही हों, तो यह उसकी प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। इससे वैश्विक शासन व्यवस्था में एक प्रकार का विकेंद्रीकरण नजर आता है। यह स्पष्ट है कि विश्व राजनीति एक संक्रमणकाल से गुजर रही है। जहां एक ओर महाशक्तियां सतर्क दूरी बनाए हुए हैं, वहीं मझोले देश अवसर और चुनौती दोनों को स्वीकार कर आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि स्थायी और प्रभावी समाधान के लिए बड़ी शक्तियों की सक्रिय भागीदारी अभी भी अपरिहार्य है। यदि वे लंबे समय तक निष्क्रिय रहती हैं, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता के रूप में भुगतना पड़ सकता है।

■ हरिनारायण मिश्रा

जीवनशैली

चेहरा पढ़कर परोसा जाता खाना

एआई रेस्टोरेंट का चौंकाने वाला भविष्य

अभी तक आप किसी होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाने जाते हैं तो मेन्यू देखकर अपनी पसंद की जो चीजें आर्डर करते हैं, लेकिन कभी ऐसा हो कि आप रेस्टोरेंट जाएं और बिना आपकी इच्छा पूछे आपका मनपसंद खाना कुछ ही समय में आपकी टेबल पर आ जाए तो आप चौंक जाएंगे। ये कोई कल्पना नहीं, बल्कि हकीकत है। दुनिया हमारी सोच से कहीं आगे निकल चुकी है। चीन में हाल ही में ऐसा ही एक रेस्टोरेंट खुला है, जिसमें इंसान नहीं, बल्कि रोबोट सेवाएं दे रहे हैं और यह एआई तकनीक से संचालित हो रहा है।

चेहरे से पहचान, पसंद का विश्लेषण

चीन के शिहू जिले में खुले इस अत्याधुनिक रेस्टोरेंट में ग्राहक के प्रवेश करते ही एआई सिस्टम सक्रिय हो जाता है। यह केवल चेहरे की पहचान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि चेहरे के भाव, उम्र, लिंग और मूड जैसी चीजों का भी विश्लेषण करता है। कुछ जगहों पर ग्राहक के पिछले ऑर्डर और व्यवहार का डेटा भी जोड़ा जाता है। इसके बाद सिस्टम यह तय करता है कि ग्राहक को किस तरह का भोजन पसंद आ सकता है हल्का, मसालेदार, हेल्दी या हाई-एनर्जी डाइट। इस तरह ऑर्डर देने की प्रक्रिया लगभग खत्म हो जाती है और अनुभव अधिक व्यक्तिगत बन जाता है।

रोबोट्स के हवाले पूरा किचन

इन रेस्टोरेंट्स की सबसे बड़ी खासियत है रोबोटिक किचन। यहां ऑर्डर लेने, खाना पकाने, प्लेट सजाने, सर्व करने और यहां तक कि सफाई करने तक का काम रोबोट्स करते हैं। ये रोबोट्स हजारों रेसिपी और कुकिंग तकनीकों पर प्रशिक्षित होते हैं। इससे हर बार खाने का स्वाद और गुणवत्ता एक समान रहती है। किचन में करीब 60 प्रतिशत काम रोबोट करते हैं, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है।

सटीकता और गुणवत्ता का नया स्तर

मानव कुकिंग में जहां गलती की संभावना रहती है, वहीं एआई और रोबोटिक्स के इस्तेमाल से मानवीय गलती लगभग समाप्त हो जाता है। हर डिश तय तापमान, समय और सामग्री के अनुपात में बनती है। इससे न सिर्फ स्वाद बेहतर होता है, बल्कि खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता भी सुनिश्चित होती है। यही कारण है कि ये रेस्टोरेंट्स हाइजीन के मामले में भी नए मानक स्थापित कर रहे हैं।

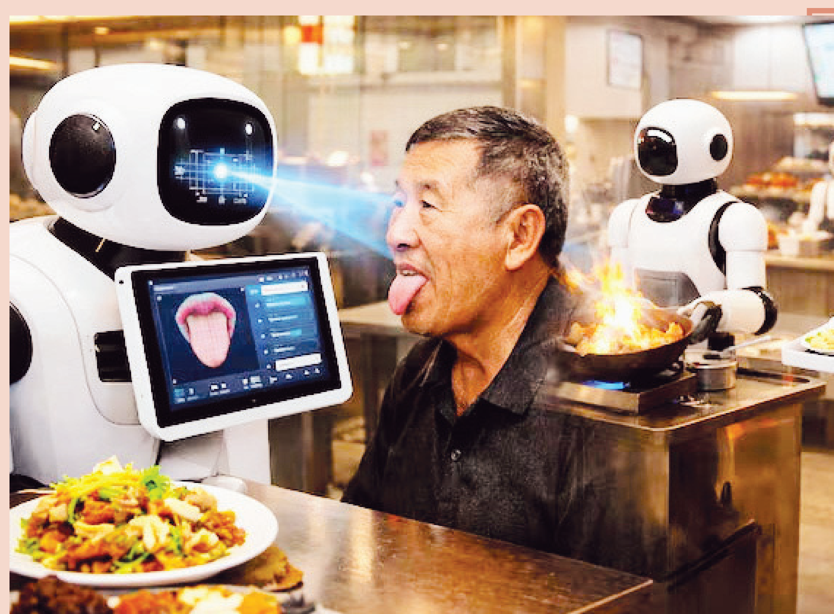

तेजी से बढ़ता बाजार और ट्रेंड

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित रेस्टोरेंट्स का चलन खासतौर पर चीन, जापान और अमेरिका जैसे देशों में तेजी से बढ़ रहा है। फूड टेक इंडस्ट्री की रिपोर्ट्स के अनुसार, आने वाले वर्षों में यह बाजार कई गुना बढ़ सकता है। 2026 तक इसका आकार हजारों करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2030 तक और भी तेजी से बढ़ेगा। इसका मुख्य कारण है तेजी, सटीकता और ग्राहक के अनुभव में सुधार।

फायदे के साथ चुनौतियां भी

हालांकि यह तकनीक सुविधा और नवाचार का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ा सवाल रोजगार का है अगर किचन और सर्विस पूरी तरह रोबोट्स के हाथ में चली गई, तो मानव श्रमिकों की भूमिका क्या होगी? इसके अलावा डेटा प्राइवेसी और चेहरे की पहचान जैसी तकनीकों को लेकर भी चिंताएं सामने आ रही हैं।

कम लागत और ज्यादा सुविधा

ऑटोमेशन का एक बड़ा फायदा यह भी है कि संचालन लागत में कमी आती है। कम स्टाफ, तेज सेवा और बेहतर प्रबंधन के कारण ग्राहकों को अपेक्षाकृत कम कीमत पर बेहतर अनुभव मिलता है। कुछ जगहों पर तो पहले के मुकाबले भोजन की कीमतों में भी कमी दर्ज की गई है।

दही-बेसन का जादू

कढ़ी की स्वादभरी दुनिया

गर्मी के दिनों में राहत पाने के लिए लोग जहां ठंडे पेयों का सहारा लेते हैं, वहीं थाली में दही-छाछ से बनी कढ़ी एक ऐसा स्वाद है, जो शरीर को ठंडक भी देती है और मन को सुकून भी। हल्की खटास, मसालों की खुशबू और बेहतरीन स्वाद, कढ़ी हर क्षेत्र में अलग रूप लेकर भी हर दिल पर राज करती है।

राजस्थानी कढ़ी

राजस्थानी कढ़ी हल्की और बिना पकोड़ों के बनाई जाती है। इसके लिए दही, बेसन, हल्दी, नमक, लाल मिर्च, राई, जीरा, हींग, साबुत लाल मिर्च, करी पत्ता की जरूरत होती है।

बनाने का तरीका : दही और बेसन को पानी में घोल लें, ताकि गांठ न रहे। इसमें हल्दी, नमक और लाल मिर्च डालें। अब इसे मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए उबालें। दूसरी ओर कड़ाही में तेल गर्म कर राई, जीरा, हींग, साबुत लाल मिर्च और करी पत्ता का तड़का लगाएं। यह तड़का उबलती कढ़ी में डालकर 10-15 मिनट धीमी आंच पर पकाएं।

पंजाबी कढ़ी

पंजाबी कढ़ी गाढ़ी और मसालेदार होती है, जिसमें पकोड़े इसकी जान होते हैं। इसे बनाने में दही, बेसन, प्याज, अदरक-लहसुन, हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला, मेथी दाना, जीरा, करी पत्ता का उपयोग होता है।

कैसे बनाएं : बेसन में नमक, लाल मिर्च और कटा प्याज मिलाकर गाढ़ा घोल बनाएं और पकोड़े तल लें। दही और बेसन का पतला घोल तैयार करें। कड़ाही में तेल गर्म कर जीरा, मेथी दाना, अदरक-लहसुन भूनें, फिर दही-बेसन का घोल डालें। मसाले डालकर 20-25 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। अंत में पकोड़े डालकर कुछ देर और उबालें, ताकि वे ग्रेवी में अच्छे से घुल जाएं।

सिंधी कढ़ी

सब्जियों का चटपटा संगम

यह कढ़ी बिना दही के बनती है और इसमें कई तरह की सब्जियां डाली जाती हैं। मुख्य सामग्री में बेसन, भिंडी, आलू, गाजर, टमाटर, सहजन (ड्रमस्टिक), इमली, हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, जीरा, मेथी दाना शामिल है।

बनाने की विधि

सबसे पहले कढ़ाई में बेसन को हल्का भून लें। अब तेल में जीरा और मेथी दाना डालकर सब्जियां (भिंडी, आलू, गाजर) हल्की फ्राई करें। इसमें पानी डालकर उबालें और फिर भुना बेसन मिलाएं। टमाटर, इमली का पानी और मसाले डालकर 20 मिनट तक पकाएं। कढ़ी गाढ़ी और सब्जियां नरम हो जाएं तो गैस बंद करें।

स्वाद बढ़ाने के जरूरी टिप्स

- कढ़ी को हमेशा धीमी आंच पर पकाएं, तभी स्वाद निखरेगा
- तड़के में हींग और मेथी दाना खुशबू बढ़ाते हैं
- दही हल्का खट्टा हो तो कढ़ी ज्यादा स्वादिष्ट बनती है
- पकोड़ों को डालने से पहले हल्का निचोड़ लें

हर थाली की शान

कढ़ी की खूबी यही है कि यह सादगी में भी स्वाद देती है। चावल, रोटी या बाजरे की रोटी, हर चीज के साथ इसका स्वाद अलग ही आनंद देता है। इस गर्मी, अपनी रसोई में कढ़ी के अलग-अलग स्वाद आजमाइए और हर कौर में सुकून महसूस कीजिए।

आम खाएं, पर न फेंकें गुठली

आम केवल एक फल नहीं, बल्कि स्वाद और सेहत का अद्भुत संगम है। यही कारण है कि इसे 'फलों का राजा' कहा जाता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इसके रसीले और मीठे स्वाद का दीवाना होता है। आम में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। यह न केवल बीमारियों से लड़ने में मदद करता है, बल्कि मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को भी सक्रिय बनाए रखता है। घाव भरने से लेकर त्वचा की चमक तक, आम का योगदान बहुआयामी है।

गुठली का महत्व

अक्सर लोग आम खाने के बाद उसकी गुठली को बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन यही गुठली असल में गुणों का भंडार है। बहुत कम लोग जानते हैं कि आम की गुठली में भी कई आवश्यक विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसे सुखाकर पाउडर, तेल या बटर के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि सौंदर्य बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाती है।

पाचन समस्याओं का उपचार

आम की गुठली का पाउडर पाचन तंत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। छाछ या शहद के साथ इसका सेवन दस्त, पेचिश और कब्ज जैसी समस्याओं में राहत देता है। यह आंतों को मजबूत बनाकर पाचन क्रिया को संतुलित करता है, जिससे शरीर हल्का और स्वस्थ महसूस करता है।

गजब हैं इसके फायदे

दिल और शुगर के लिए सुरक्षा कवच

आम की गुठली में मौजूद तत्व खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और रक्तचाप को नियंत्रित रखने में सहायक होते हैं। इससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। साथ ही, यह ब्लड शुगर को संतुलित रखने में मदद करती है, जिससे डायबिटीज के मरीजों के लिए भी यह एक उपयोगी विकल्प बन जाती है।

दांतों और बालों के लिए वरदान है गुठली

आम की गुठली का उपयोग दांतों की मजबूती के लिए भी किया जाता है। इसका मंजन दांतों को कीड़े और पायरिया से बचाने में सहायक होता है। वहीं, गुठली के चूर्ण को नारियल तेल के साथ मिलाकर लगाने से डैंड्रफ की समस्या कम होती है और बालों को पोषण मिलता है। यह बालों को मजबूत और चमकदार बनाता है।

सुंदरता और फिटनेस का अनोखा साथी

त्वचा की देखभाल में भी आम की गुठली का योगदान उल्लेखनीय है। इसके पाउडर में टमाटर का रस मिलाकर लगाने से डेड स्किन हटती है और त्वचा साफ व चमकदार बनती है। साथ ही, इसका तेल त्वचा को नमी प्रदान करता है। गुठली मेटाबॉलिज्म को तेज करके वजन घटाने में भी मदद करती है, जिससे शरीर फिट और ऊर्जावान बना रहता है। इस प्रकार, आम का स्वाद जितना लुभावना है, उसकी गुठली उतनी ही उपयोगी है। अब समय है कि हम इस अनमोल हिस्से को बेकार समझकर फेंकने के बजाय उसके गुणों को पहचानें और अपने जीवन में शामिल करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''गिलेडविन मसीह'' के लिए ''बुलंद मंज़िल'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०बी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

मंगरौला में 5000+ की भीड़ एलईडी पर लाइव उद्घाटन प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जमकर सराहना

594 किमी की लाइफलाइन का लोकार्पण, व्यापार-किसान-युवा–तीनों को मिलेगी नई उड़ान

दैनिक बुलंद मंज़िल/असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा । पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा लोगों ने बुधवार को विकास के एक ऐतिहासिक क्षण को अपनी आंखों के सामने साकार होते देखा, जब 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का भव्य लोकार्पण हर्षोल्लास और जनउत्साह के बीच सम्पन्न हुआ। हसनपुर तहसील के गांव मंगरौला में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की भीड़ ने इस ऐतिहासिक पल को साक्षी भाव से जिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरदोई से वर्चुअल माध्यम से इस मेगा प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और गरिमा प्रदान की। मंगरौला में विशाल एलईडी स्क्रीन के जरिए लाइव प्रसारण ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया।

पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाला विकास का महामार्ग

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्य मंत्री के.पी. मलिक ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाली जीवनरेखा है। उन्होंने इसे भाईचारा, व्यापार और समृद्धि का नया सेतु बताते हुए कहा कि यह परियोजना प्रदेश के आर्थिक नक्शे को नई दिशा देगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस एक्सप्रेसवे को हरियाली और स्वच्छता से सजाएं, ताकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने।

अमरोहा को मिली विकास की सौगात

सांसद कंवर सिंह तंवर ने इसे अमरोहा के लिए ह्लअनमोल उपहारह्व बताते हुए कहा कि अब जिले के किसान और व्यापारी सीधे राष्ट्रीय बाजार से जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे के किनारे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के विकास से रोजगार के नए द्वार खुलेंगे और युवाओं को स्थानीय स्तर पर अवसर मिलेंगे। विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि हसनपुर क्षेत्र, जो कभी पिछड़ेपन का प्रतीक था, अब विकास के मानचित्र पर स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने बताया कि सड़क, बिजली, पुल और अन्य बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है, जिससे क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है।37 हजार करोड़ की परियोजना, 12 जिलों को जोड़ेगी एक डोर में गंगा एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 594 किलोमीटर है, जिसकी लागत लगभग 37,000 करोड़ रुपये बताई गई है। यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों–मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज–को जोड़ता है। अमरोहा जिले में इसकी लंबाई 23.6 किलोमीटर है, जो 25 गांवों से होकर गुजरती है। मंगरौला गांव के पास स्थित टी-पॉइंट इस क्षेत्र को सीधे इस हाई-स्पीड नेटवर्क से जोड़ता है।किसानों के लिए वरदान, व्यापार को मिलेगी रफ्तार विधायक राजीव तरारा ने कहा कि यह एक्सप्रेसवे किसानों के लिए गेमचेंजर साबित होगा। अब फल और सब्जियां तेजी से बाजार तक पहुंचेंगी, जिससे खराब होने की समस्या कम होगी और किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया कि यात्रा का समय घटकर 5झ्6 घंटे रह जाएगा, जिससे प्रयागराज जैसे धार्मिक और व्यावसायिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। यह सामाजिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से प्रदेश को मजबूती देगा।

युवाओं के लिए रोजगार का नया रास्ता

कार्यक्रम में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि रोजगार का बड़ा माध्यम भी बनेगा। इंडस्ट्री, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और सर्विस सेक्टर में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विकास को प्राथमिकता देते हुए किसानों, युवाओं और कमजोर वर्गों के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। एक्सप्रेसवे इस विकास यात्रा को और गति देगा।

व्यवस्थाओं की रही सराहना, 5000 से अधिक लोग जुटे

कार्यक्रम में 5000 से अधिक लोग शामिल हुए, जिनमें किसान, महिलाएं, युवा और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग और बिजली की बेहतर व्यवस्था की गई, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सभी अतिथियों और जनता का आभार जताते हुए कहा कि प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारी की थी और यह आयोजन पूरी तरह सुव्यवस्थित रहा।

उत्तर प्रदेश के विकास की नई पहचान

गंगा एक्सप्रेसवे को प्रदेश के विकास की रीढ़ बताया जा रहा है। यह परियोजना न केवल दूरी घटाएगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति देगी। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में उत्तर प्रदेश की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने में यह एक्सप्रेसवे अहम भूमिका निभाएगा।

एनबीडब्ल्यू में वांछित आरोपी गिरफ्तार, गजरौला पुलिस की कार्रवाई तेज

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चल रहे सघन अभियान के तहत गजरौला पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में ला दिया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में थाना गजरौला पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए वारंटी धर्मपाल पुत्र रामसिंह निवासी काकाठेर को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से एनबीडब्ल्यू (गैर जमानती वारंट) जारी था। पुलिस के अनुसार, धर्मपाल के खिलाफ मु0नं0 7821/23, अपराध संख्या 382/23 धारा 60(1) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। काफी समय से फरार चल रहे आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। अंततः पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को नियमानुसार न्यायालय सीजेएम अमरोहा के समक्ष पेश किया गया, जहां अग्रिम कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

गजरौला पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गजरौला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रही कार्रवाई के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में थाना गजरौला पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक गजरौला मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बाबू निवासी मोहरका पट्टी, विवेक निवासी खादगूजर, मुनेश निवासी गाजीपुर मंडी दिल्ली और अलीम निवासी कटाई को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है, पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने का संदेश गया है और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

बदनामी के डर ने ली बेटी की जान: मां-बेटे ने रची खौफनाक साजिश, 24 घंटे में पुलिस ने खोला राज

पहले प्रेमी पर मढ़ा हत्या का आरोप, पूछताछ में टूटा झूठ–चुन्नियों से गला घोंटकर की गई थी हत्या

दैनिक बुलंद मंज़िल / सर्वेश यादव

अमरोहा। थाना नौगांवा सादात क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जहां प्रेम संबंध और सामाजिक बदनामी के डर ने एक मां को अपनी ही बेटी का कातिल बना दिया। पुलिस ने इस मामले का महज 24 घंटे में खुलासा करते हुए आरोपी मां और नाबालिग बेटे को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया तथा क्षेत्राधिकारी अवधमान सिंह भदौरिया के पर्यवेक्षण में थाना नौगांवा सादात पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए घटना का सफल अनावरण किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दो चुन्नियां भी बरामद कर ली हैं। घटना बीते 27 अप्रैल की है, जब गांव बीलना निवासी मुनाजिर ने अपनी बेटी की हत्या का आरोप जैद नामक युवक पर लगाते हुए थाना नौगांवा सादात में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन जांच के दौरान कहानी ने अप्रत्याशित मोड़ ले लिया। पूछताछ में मृतका की मां नाजो खातून ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को 26 अप्रैल की रात जैद बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया था, जहां कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म हुआ। बेटी को वापस घर लाने के बाद परिवार पर सामाजिक दबाव और बदनामी का भय बढ़ता गया। इसी दबाव में आकर मां ने अपने नाबालिग बेटे के साथ मिलकर 27 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे बेटी का गला चुन्नी से दबाकर हत्या कर दी और घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने साजिश के तहत जैद के खिलाफ झूठा हत्या का मुकदमा दर्ज कराकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास भी किया। हालांकि पुलिस की सतर्क जांच और तकनीकी साक्ष्यों के चलते सच्चाई सामने आ गई। वहीं, जांच के दौरान यह भी सामने आया कि जैद के खिलाफ नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला भी दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। फिलहाल तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई जारी है। यह घटना समाज में ह्यइज्जतह्न के नाम पर होने वाले अपराधों और सामाजिक दबाव की भयावह तस्वीर को उजागर करती है, जो एक परिवार को ही अपराधी बना देती है।

न्याय होगा आसान : लोक अदालत को सफल बनाने में जुटा अमरोहा प्रशासन

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को प्रभावी और जनहितकारी बनाने के लिए जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विवेक की अध्यक्षता में एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रशासन, पुलिस, बैंक, नगर पालिका, विद्युत विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और लोक अदालत को सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई। जिला जज ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लोक अदालत केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि आमजन को त्वरित और सस्ता न्याय दिलाने का माध्यम बने। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को प्राथमिकता से चिन्हित किया जाए, जिनका समाधान आपसी समझौते से संभव है। साथ ही संबंधित पक्षकारों को समय से सूचना देकर अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में बैंक ऋण वसूली, बिजली बकाया, नगर पालिका कर विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, पारिवारिक व वैवाहिक विवाद, चेक बाउंस और राजस्व मामलों जैसे प्रकरणों को बड़े पैमाने पर निस्तारित करने की योजना पर चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लंबित मामलों की सूची तैयार कर अभी से तैयारी शुरू कर दें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री अभिषेक कुमार व्यास ने लोक अदालत की कार्यप्रणाली समझाते हुए कहा कि विभागों के बेहतर समन्वय से ही इसका उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने और अधिकाधिक मामलों को लोक अदालत में लाने की अपील की। सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि प्रशासन को बैठने, पेयजल और सूचना केंद्र जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैंक और विभागीय अधिकारियों को भी अपने-अपने मामलों में समझौते के प्रयास तेज करने को कहा गया। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों ने एकजुट होकर लोक अदालत को सफल बनाने का संकल्प लिया। साफ संदेश दिया गया कि इस बार लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों का निस्तारण कर आम जनता को राहत पहुंचाई जाएगी।

शटडाउन के बावजूद दौड़ा करंट खंभे पर ही झुलसा लाइनमैन, मौत

गुस्साए परिजनों ने बिजलीघर में रखा शव, सैकड़ों लोगों का प्रदर्शन–जांच में जुटी पुलिस

मृतक लाइनमैन नितिन सैनी का फाइल फोटो

दैनिक बुलंद मंज़िल

रजबपुर। थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन ठीक कर रहे 28 वर्षीय लाइनमैन की अचानक करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि जिस लाइन पर काम चल रहा था, उस पर पहले से शटडाउन लिया गया था, लेकिन फिर भी अचानक बिजली दौड़ गई और युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान जलालपुर कला निवासी नितिन सैनी (28) पुत्र रामपाल के रूप में हुई है। नितिन अपने पीछे पत्नी और महज 6 माह की बेटी प्रियांशी को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, बीती रात आई तेज आंधी और बारिश के चलते गांव में पेड़ गिरने से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। बुधवार सुबह करीब 10 बजे नितिन लाइन ठीक करने के लिए खंभे पर चढ़े थे। बताया जा रहा है कि काम शुरू करने से पहले शटडाउन लिया गया था, लेकिन अचानक लाइन में करंट आ गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गए। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को गांव के बिजलीघर में रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही रजबपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि परिजनों की तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस सवाल ने सभी को झकझोर दिया है कि आखिर शटडाउन के बावजूद लाइन में करंट कैसे आया। पुलिस और विभागीय जांच इस रहस्य से पर्दा उठाने में जुटी है।

पुलिस की पहल बनी संजीवनी, बिखरते रिश्तों को मिला नया जीवन

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा । परिवारों में बढ़ते विवादों के बीच पुलिस का मानवीय चेहरा एक बार फिर सामने आया, जब ह्यऑपरेशन किरणह्न के तहत तीन बिखरते घरों को टूटने से बचा लिया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत बुधवार को थाना मण्डी धनौरा, महिला थाना अमरोहा और महिला थाना गजरौला पुलिस ने पारिवारिक मामलों में प्रभावी काउंसलिंग कर सुलह-समझौता कराया। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया और संबंधित क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में तीन अलग-अलग प्रार्थना पत्रों पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने दंपतियों को आमने-सामने बैठाकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। काउंसलिंग के दौरान आपसी मतभेदों को दूर कराने के लिए समझाइश दी गई, जिससे तीनों परिवारों में सहमति बन गई। पुलिस की पहल रंग लाई और तीनों जोड़ों ने पुराने विवादों को भुलाकर एक साथ रहने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्हें खुशी-खुशी अपने घर रवाना किया गया। ह्यऑपरेशन किरणह्न के तहत पुलिस का यह प्रयास न केवल कानून व्यवस्था को मजबूत कर रहा है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी सहेजने का काम कर रहा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए सकारात्मक कदम बताया है।

रहरा पुलिस का एक्शन : 22 पेटी अवैध देशी शराब संग युवक गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को भारी मात्रा में देशी शराब के साथ दबोच लिया। थाना पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के मार्गदर्शन में की गई। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान के नेतृत्व में टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान गांव चीला निवासी राकेश पुत्र प्रसादी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 22 अदद फ्रुटी गत्ता टॉप बॉक्स में रखी अवैध देशी शराब बरामद की है। बरामदगी के आधार पर थाना रहरा में आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 98/ 2026 धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण व तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर शराब के स्रोत और नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

CMYK

उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें : डीएम अतुल वत्स

औद्योगिक निवेश में देरी बर्दाश्त नहीं, अधिकारियों को सख्त निर्देश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले में औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अतुल वत्स ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि उद्योग बंधु समिति केवल औपचारिक मंच नहीं, बल्कि प्रशासन और उद्यमियों के बीच संवाद व समाधान का प्रभावी माध्यम है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सकारात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। औद्योगिक निवेश की समीक्षा करते हुए डीएम ने स्पष्ट किया कि निवेश संबंधी मामलों में किसी भी

प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। डीएम ने निर्देश दिए कि उद्यमियों के आवेदन पत्रों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण किया जाए और सभी प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही, औद्योगिक योजनाओं के तहत मिलने वाले अनुदान व ऋण समय से उपलब्ध कराए जाएं। योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर देते हुए उन्होंने अधिक से अधिक उद्यमियों को लाभान्वित करने की बात कही, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। बैठक में नेशनल हाईवे-509 पर ग्राम महमूदपुर बरसे (सासनी) के खसरा संख्या 613 व 614 के फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने, जीएसटी कार्यालय को केवल गढ़ी में स्थापित करने, ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना तथा औद्योगिक विद्युत उपभोक्ताओं के बिलों में टीओडी की गलत गणना सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। उद्यमियों की समस्याओं व सुझावों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और संतोषजनक समाधान के निर्देश दिए गए। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों के तहत ओडीओपी योजना में 26 का लक्ष्य मिला, जिसमें से तीन आवेदन बैंकों को भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत 1500 के लक्ष्य के सापेक्ष 572 आवेदन प्रेषित किए गए, जिनमें से 27 स्वीकृत हुए और 19 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया। निवेश मित्र पोर्टल पर 29 अप्रैल 2026 तक 69 आवेदन समयसीमा के भीतर तथा छह आवेदन समयसीमा पार लंबित हैं। इस पर डीएम ने सख्त निर्देश देते हुए सभी आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उपायुक्त उद्योग, उपायुक्त जीएसटी, मंडी सचिव समेत उद्यमी अशोक मेहता, प्रदीप गोयल व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकताओं का हंगामा बिजली दफ्तर को घेर कर बैठे कार्यकर्ता बिजली अधिकारियो के हाथ पैर फूले

अनिल चौधरी बुलंद मंजिल

मुरसान के खुटीपुरी बिजली घर पर तैनात जूनियर इंजीनियर और बमोली लहरा बिजली घरों से संबंधित समस्याओं से परेशान होकर क्षेत्रीय लोगों ने आज राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष श्याम प्रधान के साथ बिजली घर को घेर लिया। राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकताओं ने हंगामा खड़ा कर दिया। और खुटीपुरी पर तैनात जूनियर इंजीनियर को सस्पेंड करने पर अड गए। राष्ट्रीय लोकदल के जिले के महासचिव बंटी भईया जिला अध्यक्ष का फोन ना उठाने ट्रांसफॉर्म को न बदलने की समस्या पर बिजली अधिकारियों पर बिखर गए। और जूनियर इंजीनियर के सस्पेंड की मांग करने लगे। सत्ता पक्ष से मामला जुड़ा होने की वजह से अधिकारियों के हाथ पैर फूल गए। जिला पंचायत सदस्य इशान चौधरी ने जूनियर इंजीनियर के व्यवहार की शिकायत पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए और सस्पेंड करने के लिए कहा। वहीं लोकदल के तमाम नेतागढ़ बिजली घर के बाहर कुर्सियों पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे अधिकारी उन्हें भीतर जाने के लिए मनाते रहे लेकिन

जिला अध्यक्ष श्याम प्रधान ने अंदर जाने से मना कर दिया अधिशासी अभियंता ग्रामीण को तत्काल मौके पर भेज पूरी समस्या को गंभीरता से सुनकर गांव के लिए तीन ट्रांसफर तत्काल भेजे गए। और संबंधित जूनियर इंजीनियर के खिलाफ सस्पेंशन की कार्रवाई से भी कार्यकर्ता संतुष्ट नहीं हुए। कार्यकर्ता मौके पर सुपरिंडेंट इंजीनियर को बुलाने की मांग करने लगे। हंगामा बढ़ता देख चीफ इंजीनियर अलीगढ़ ने स्थिति को संभाला राष्ट्रीय लोकदल के सादाबाद विधायक माननीय प्रदीप चौधरी गुड्डू भैया से एमडी आगरा ने बात की। उनको आश्वासन दिया गया की जो भी कर्मचारी अभद्र व्यवहार करते हैं या पार्टी के कार्यकताओं का फोन नहीं उठाते। ओर इन्होंने अभी तक ट्रांसफॉर्म नहीं बदले हैं उन सबके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है उसके बाद जिला अध्यक्ष श्याम प्रधान और जिले के महासचिव बंटी भईया जिला पंचायत सदस्य इशान चौधरी , अनिल प्रधान, राजेश चौधरी, सुभाष प्रधान, और भारी मात्रा में मौजूद क्षेत्रीय जनता को सख्त विभागीय कार्रवाई का आश्वासन दिया गया तब जाकर के राष्ट्रीय लोकदल के नेता बिजली घर से वापस लौटे।

सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को डीएम सख्त, कार्ययोजना मांगी नहरों की सफाई- मरम्मत समयबद्ध पूरी करने के निर्देश

दूषित जल सीधे नदियों में छोड़ने पर रोक के आदेश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले में सिंचाई व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाए रखने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अतुल वत्स की अध्यक्षता में सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इसमें विभाग के सभी खण्डों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए डीएम ने अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में नहरों, नालों और नदियों की स्थिति, उनकी सफाई, मरम्मत, जल प्रवाह तथा विभागीय कार्मिकों की उपलब्धता पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही नगर क्षेत्रों से नहरों और नदियों में गिर रहे दूषित जल की समस्या पर भी मंथन हुआ। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी आवश्यक

कार्य और टेंडर प्रक्रिया समय से पूरी की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न उत्पन्न हो। डीएम ने कहा कि सभी नहरों और नालों की नियमित सफाई व मरम्मत समयबद्ध तरीके से कराई जाए, जिससे जल प्रवाह बाधित न हो। किसानों को पर्याप्त सिंचाई जल समय से उपलब्ध कराना प्राथमिकता में रखा जाए और टेल तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जहां सिल्ट या अवरोध की समस्या है, वहां तत्काल सफाई अभियान चलाया जाए।

उन्होंने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए तालाबों में पानी भरवाने और अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। आगामी वर्षा ऋतु के मद्देनजर जल निकासी की समुचित व्यवस्था अभी से सुनिश्चित करने को कहा, ताकि जलभराव की स्थिति न बने। दूषित जल की समस्या पर डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि बिना उपचारित जल को सीधे नदियों में प्रवाहित करने पर रोक लगाई जाए। इसके स्थायी समाधान के लिए सिंचाई विभाग, नगर निकाय और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ करने, कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और प्रगति रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), परियोजना निदेशक, उप जिलाधिकारी सादाबाद व सासनी, जिला कृषि अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ से निपटने को अलर्ट प्रशासन, डीएम ने दिए पुख्ता तैयारियों के निर्देश

संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अतुल वत्स की अध्यक्षता में स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी और समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर सतत नजर रखी जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से ही तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने सभी विभागों से अपने-अपने स्तर पर संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने तथा बाढ़ नियंत्रण और निरोधक कार्यों को

प्राथमिकता से पूरा करने को कहा। डीएम ने निर्देश दिए कि मजदूर, मशीनरी, पंप, डीजल समेत सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जल निकासी, राहत और बचाव कार्यों की समुचित व्यवस्था के साथ पुलिस व प्रशासनिक टीमों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने सिंचाई और राजस्व विभाग को नदियों के जलस्तर की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा तटबंधों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही नाव, मोटरबोट, लाइफ जैकेट और अन्य बचाव उपकरणों को क्रियाशील स्थिति में रखने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को संभावित बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और मेडिकल टीमों को अलर्ट रखने के निर्देश दिए गए। वहीं पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए चारा और दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बाढ़ से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने और किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सूचना देने की व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), परियोजना निदेशक, उप जिलाधिकारी सादाबाद व सासनी, जिला कृषि अधिकारी, सिंचाई एवं विद्युत विभाग के अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस का एक्शन मोड : पुराने वारण्टियों पर कसा शिकंजा, तीन आरोपी दबोचे

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सैद नगली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे वारण्टी अभियुक्तों पर शिकंजा कस दिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उच्च अधिकारियों के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीन वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में भूरा उर्फ मुशाहिद निवासी

ग्राम खैरपुर शामिल है, जो धारा 498ए से जुड़े मामले में वांछित था। इसके अलावा नरायनदास निवासी मथना, जिला सम्भल को हत्या के प्रयास (धारा 307) के मामले में पकड़ा गया, जिसकी अदालत में पेशी 30 अप्रैल 2026 को निर्धारित है। वहीं केशव निवासी हाजीपुर तरारा को सड़क दुर्घटना से जुड़े मामले (धारा 279/304ए/427) में गिरफ्तार किया गया, जिसकी अगली पेशी 20 मई 2026 को तय है। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे और इनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी थे। थाना सैद नगली पुलिस की टीम ने सटीक सूचना और रणनीति के तहत कार्रवाई करते हुए इनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आगे भी ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखा जाएगा, ताकि कानून का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए।

अंबेडकर शोभायात्रा में सेवा शिविर, अनुयायियों का किया सम्मान

गुडडु रंगीला के नेतृत्व में जलपान व स्वागत की व्यवस्था

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। नगर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा धूमधाम और उत्साह के साथ निकाली गई। शहर के विभिन्न स्थानों पर लोगों ने यात्रा का स्वागत किया, जिससे पूरे आयोजन में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति के अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह रहे। इसी क्रम में गांधी पार्क मार्ग स्थित बागला डिग्री कॉलेज के मुख्य द्वार के बाहर युवा समाजसेवी गुडडु रंगीला के नेतृत्व में सेवा शिविर लगाया गया। शिविर में अंबेडकर अनुयायियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई तथा उनका तस्वीर भेंट कर और पटका पहनाकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा संत आश्रम बगीची से शुरू

होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई गांधी पार्क स्थित अंबेडकर पार्क पर संपन्न हुई। शिविर में लोकेंद्र कुमार सिंह, सुनील कुमार, पंकज प्रेमाकर, डॉ. राहुल सिंह, सुजीत सिंह, संजय सेठ, गया प्रसाद, बाबा धीरेंद्र कुमार, शैलेंद्र कुमार, सोनू कुमार, गम प्रिया सत्संगी, राजपाल सिंह पूनिया, लल्लन बाबू एडवोकेट, के.एस. निराला, डॉ. अरविंद शर्मा, राज कपूर सहित कई गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, समानता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। गुडडु रंगीला ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज को दिशा देते हैं और ऐसे आयोजनों के माध्यम से उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। स्थानीय नागरिकों ने पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने वाला कदम बताया।

बरेली में सुरंग बनाकर 28 लाख का कॉपर स्क्रैप चोरी, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली चोरी की वारदात सामने आई है, जहां चोरों ने बेहद सुनियोजित तरीके से गोदाम की दीवार के नीचे सुरंग बनाकर लाखों रुपये का कॉपर स्क्रैप पार कर दिया। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र की भटनागर कॉलोनी निवासी शिवानी जैन की पंजीकृत फर्म स्क्रैप की नीलामी में खरीद-फरोख्त का कार्य करती है। उनका गोदाम सीबीगंज थाना क्षेत्र के महेशपुरा में स्थित है। मंगलवार को जब उनके पति पंकज जैन रोज की तरह गोदाम पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर वे चौंक गए। गोदाम की दीवार के नीचे एक सुरंग बनी हुई थी, जिसके जरिए चोर अंदर दाखिल हुए थे। जांच करने पर पता चला कि गोदाम से करीब दो टन कॉपर स्क्रैप गायब है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 28 लाख रुपये बताई जा रही है। यह साफ है कि चोरों ने पहले से रेकी कर इस वारदात को अंजाम दिया और भारी मात्रा में माल को व्यवस्थित तरीके से निकालकर फरार हो गए। गोदाम मालिक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीबीगंज थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही इसका खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इस वारदात में किसी अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है। इस घटना ने औद्योगिक और गोदाम क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। व्यापारियों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात में गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

सट्टा माफिया समेत बरेली के 67 अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट, जगमोहन और गोविंदा भी निशाने पर

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जिले में गोकशी, सट्टा और संगठित अपराधों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने बड़ा ऑपरेशन छेड़ दिया है। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर 54 गोकश समेत कुल 67 कुख्यात अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोल दी गई है। अब इन सभी की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाएगी और जरा सी चूक पर सख्त कार्रवाई तय मानी जा रही है। गोकशी के मामलों में भोजीपुरा क्षेत्र के शकील उर्फ पोला, छोटे उर्फ अब्दुल कयूम, कल्लू उर्फ कलुआ, अशफाक, अकलीम, छोटन उर्फ एसओ, सद्दाम, पप्पू, वसीम, फेम उर्फ फहीम और पप्पू उर्फ गरां की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। इसके अलावा बहेड़ी, मीरगंज, देवरनिया, सीबीगंज, कोतवाली, फरीदपुर, आंवला, हाफिजगंज, बहेड़ी और नवाबगंज थानों के कई कुख्यात अपराधी भी पुलिस की निगरानी सूची में शामिल कर दिए गए हैं। सट्टा माफिया तन्नू समेत हत्या-लूट के आरोपी भी लिस्ट में कार्रवाई सिर्फ गोकशी तक सीमित नहीं रही। बारादरी के चर्चित सट्टा माफिया जगमोहन उर्फ तन्नू को भी हिस्ट्रीशीटर बना दिया गया है। वहीं हत्या, लूट, डकैती और धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों में शामिल शालू गुप्ता, तरुण उर्फ गोविंदा, निशांत उर्फ बिहारी, अमन और विनय जैसे आरोपियों की भी हिस्ट्रीशीट खोलकर पुलिस ने साफ संदेश दे दिया है कि अब कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा।

थानेवार निगरानी, हर मूवमेंट पर पुलिस की नजर

एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इन अपराधियों की नियमित निगरानी की जाए। उनकी गतिविधियों, आवाजाही और संपर्कों पर नजर रखी जाएगी। पुलिस का साफ कहना है कि अगर इनमें से कोई भी दोबारा अपराध में लिप्त मिला तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने स्पष्ट किया कि गोमांस तस्करी, सट्टा और संगठित अपराधों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। हिस्ट्रीशीट खोलना सिर्फ शुरूआत है–आगे और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

शाहबाद में विपक्ष के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा का फूटा गुस्सा

महिलाओं ने बिलारी रोड पर पुतला फूंककर अपना तीव्र आक्रोश किया व्यक्त

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर। बुधवार को भाजपा की महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष रेनू श्रीवास्तव के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने बुधवार को विपक्ष के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया गया। महिला कार्यकताओं ने विपक्ष का प्रतीकात्मक पुतला फूंककर अपना तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। बताते चलें कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा महिला कार्यकताएं शामिल हुईं। प्रदर्शन के मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता शाहबाद सुरेश बाबू गुप्ता ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष ने हमेशा महिलाओं के साथ अन्याय किया है और उनके राजनैतिक अधिकारों को कुचलने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष कभी नहीं चाहता कि महिलाएं राजनीति में आगे आएं और अपनी सशक्त भूमिका निभाएं। जिस दौरान सुरेश बाबू गुप्ता ने विपक्ष पर महिला आरक्षण बिल का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने संसद में इस ऐतिहासिक विधेयक को गिराने का काम किया, जो देश की करोड़ों महिलाओं के साथ घोर विश्वासघात है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत की महिला शक्ति विपक्ष के इस कृत्य को कभी माफ नहीं करेगी। प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि महिलाओं के अधिकारों पर कुठाराघात करने वाले विपक्ष को जनता सबक सिखाएगी। इस विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शन महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष रेनू श्रीवास्तव, पूर्व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा मंजू लता शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री महिला मोर्चा माधुरी सक्सेना एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष मंडी समिति शाहबाद सुरेश बाबू गुप्ता, नगर मंडल अध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह, महेश चंद्रवंशी, मंडल अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक राशिद अल्वी , एड. रोहित बरनवाल सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकताएँ रहीं।

अब हर निकाय तक फैलेगा नागरिक सुरक्षा नेटवर्क : 97 वार्डन सम्मानित, मीरगंज-आंवला में 40 नई नियुक्तियां

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जिला प्रशासन द्वारा जिले में नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी गई है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने ऑपरेशन ब्लैकआउट एक्सरसाइज (23 जनवरी 2026) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 97 वार्डनों और स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डीएम ने घोषणा की कि अब जिले की सभी नगर पालिकाओं और पंचायतों में नागरिक सुरक्षा इकाइयों का गठन किया जाएगा, ताकि गांव-देहात तक इसका नेटवर्क फैल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह मेरिट के आधार पर होगी और किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा संगठन हर आपदा और बड़े आयोजनों में प्रशासन का अहम सहयोगी बनकर उभरता है। कांवड़ यात्रा, उर्स, जुलूस, राजनीतिक कार्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे अवसरों पर वार्डन और स्वयंसेवक कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर डिप्टी कंट्रोलर राकेश कुमार मिश्र ने जानकारी दी कि नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना 1962 में हवाई हमलों से बचाव के उद्देश्य से हुई थी, लेकिन अब इसका दायरा आपदा प्रबंधन और प्रशिक्षण तक विस्तृत हो चुका है। पिछले वर्ष 360 लोगों को क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया, 319 नए वार्डन जोड़े गए और 73 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए 6963 लोगों को प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा मीरगंज और आंवला में 20-20 नए वार्डन नियुक्त किए गए हैं। इस खास कार्यक्रम में एडीएम नगर सौरभ दुबे सहित नागरिक सुरक्षा के अधिकारी, वार्डन और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बरेली में पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 67 बदमाशों की हिस्ट्रीशीट खुली, 24 घंटे निगरानी के आदेश

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जिले में अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 67 अपराधियों की नई हिस्ट्रीशीट खोल दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में ऐसे अपराधियों को चिन्हित किया गया है, जो चोरी, नकबजनी, गौकशी, लूट, डकैती और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों में संलिप्त रहे हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी कई बार जेल जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अपनी आपराधिक गतिविधियों से बाज नहीं आ रहे थे। अब इनकी पूरी आपराधिक कुंडली तैयार कर ली गई है और उन पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि इन हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए और उनकी दैनिक रिपोर्ट थाने के रजिस्टर में दर्ज की जाए। साथ ही, उनके वर्तमान ठिकानों और आय के स्रोतों की भी जांच की जाएगी। यह कार्रवाई जिले के कई थाना क्षेत्रों में एक साथ की गई है, जिनमें भोजीपुरा, बहेड़ी, मीरगंज, देवरनियां, सीबीगंज, कोतवाली, फरीदपुर, इज्जतनगर, बारादरी, फतेहगंज पश्चिमी, आंवला, हाफिजगंज और नवाबगंज शामिल हैं। इनमें बारादरी और बहेड़ी क्षेत्रों से सबसे अधिक अपराधियों के नाम सामने आए हैं। पुलिस का मानना है कि इस सख्त कदम से जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने में मदद मिलेगी तथा अपराधियों में भय का माहौल बनेगा।

5 लाख और जेवर समेटकर गायब हुई दुल्हन, आज आनी थी बारात, पड़ोसी युवक पर अपहरण का आरोप

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब घर में शादी की तैयारियों के बीच दुल्हन बनने वाली युवती अचानक लापता हो गई। हैरानी की बात यह है कि युवती घर में रखे करीब पांच लाख रुपये नकद और जेवरात भी साथ ले गई। परिजनों ने पड़ोसी युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पांच लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शादी की तैयारी के बीच अचानक गायब हुई बेटी

पीड़ित मां के मुताबिक, उन्होंने अपनी बड़ी बेटी की शादी 29 अप्रैल को तय की थी। शादी के लिए घर में पांच लाख रुपये नकद, जेवर और अन्य जरूरी सामान रखा गया था। 26 अप्रैल को वह अपने बेटे के साथ एक रिश्तेदार की शादी में गई थीं, जबकि घर पर पति और दोनों बेटियां मौजूद थीं। अगले दिन 27 अप्रैल को जब वह लौटीं तो बड़ी बेटी घर से गायब थी। घर में रखा कैश और जेवर भी नहीं मिले। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों में तलाश की, लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं लगा।

सीसीटीवी में दिखा पड़ोसी युवक

परिजनों ने गली में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। फुटेज में पड़ोस का युवक अमन युवती को अपने साथ ले जाता दिखाई दिया। पीड़िता की मां का आरोप है कि इस पूरे मामले में अमन के पिता ओमकार, मां, बहन, भाई आकाश और एक दोस्त भी शामिल हैं। जब अमन के पिता से फोन पर बात की गई तो उन्होंने बेटे के तीन दिन से घर से बाहर होने की बात कही और बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। बारादरी थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। युवती की तलाश के साथ ही मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

देवी बख्श सिंह बैस व वर्षा वर्मा को सृजन सम्मान से नवाजा गया

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। यू.पी. प्रेस क्लब एवं उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में बैसवारा के प्रख्यात कवि डॉ. देवी बख्श सिंह बैस को कविता के क्षेत्र में ह्यसृजन सम्मानह्न तथा वर्षा वर्मा को समाज सेवा के लिए ह्यसृजन प्रेरणा सम्मानह्न प्रदान किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम का 168वां आयोजन था सम्मान समारोह में हसीब सिद्दीकी, सर्वेश अस्थाना, डॉ. कमलेश शुक्ल एवं अध्यक्ष भ्रमर बैसवारी ने सम्मानित अतिथियों को शॉल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया कार्यक्रम का शुभारंभ पंकज प्रसून द्वारा किया गया, जबकि निशा सिंह नवल के संयोजन एवं संचालन में आयोजित कवि सम्मेलन की शुरूआत प्रतिभा श्रीवास्तव की वाणी वंदना से हुई

कवि सम्मेलन में निर्मल श्रीवास्तव, सुभाष गुरुदेव, बेअदब लखनवी, तमाचा लखनवी, दीपिका, कुलदीप सिंह, सौरभ जैसवाल, योगी योगेश शुक्ल, शालिनी राय, प्रमोद श्रीवास्तव, राजीव वत्सल, रवि शंकर रवि, पारस श्रीवास्तव, अरविंद झा, जगत नारायण, विनोद शंकर शुक्ल, महेश चंद्र गुप्त, अनिता अरोड़ा, नेहा शिवम, श्रीश दीक्षित, डॉ. रुद्रमणि, सुरभि सिंह, मनोज कुमार, वैरागी महाकाल, अच्युतानंद, रजनी राय, आलोक शंकर, गिरधर खरे, चंचल प्रतापगढ़ी, गोबर गणेश, अजय वर्मा एवं वीरपाल सिंह निश्छल सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया कार्यक्रम के अंत में सर्वेश अस्थाना ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

जॉइनिंग लेटर के बाद भी नहीं मिली नौकरी, तैनाती के नाम पर लाखों की मांग का आरोप

फोन जमा कराते थे, फिर मांगते थे एक लाख रुपये– युवक ने स्मार्ट मीटर कंपनी से जुड़े कर्मचारियों पर लगाए गंभीर आरोप

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद । पाकबड़ा क्षेत्र में एक युवक द्वारा स्मार्ट मीटर कंपनी से जुड़े कर्मचारियों पर लगाए गए आरोपों ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित गुलशन गुप्ता ने आरोप लगाया है कि जॉइनिंग लेटर मिलने के बावजूद महीनों तक उन्हें नौकरी पर तैनात नहीं किया गया और इसके बदले मोटी रकम की मांग की जाती रही गुलशन गुप्ता के अनुसार, 20 जनवरी को उन्हें जॉइनिंग लेटर प्राप्त हुआ था, जिससे उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही उनकी नियुक्ति हो जाएगी। लेकिन समय बीतने के साथ स्थिति उलट होती चली गई और उन्हें बार-बार टाल दिया गया पीड़ित का आरोप है कि जब भी वह अपनी तैनाती के संबंध में संबंधित कर्मचारियों से मिलने जाते थे, तो पहले उनसे उनका मोबाइल फोन जमा करा

लिया जाता था। इसके बाद उनसे एक से डेढ़ लाख रुपये तक की मांग की जाती थी। बार-बार चक्कर लगाने और हर बार नई शर्तें सामने आने से वह मानसिक रूप से परेशान हो गए गुलशन का कहना है कि उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई और करीब 20 हजार रुपये देने की बात कही, लेकिन इसे ठुकरा दिया गया। कथित तौर पर उनसे साफ कहा गया कि एक लाख रुपये देने पर ही उनकी जॉइनिंग कराई जाएगी और अगले ही दिन काम पर लगा दिया जाएगा पीड़ित ने इस मामले में मोहित जैन और प्रियांशु ठाकुर के नाम लेते हुए आरोप लगाए हैं कि इन्हीं के माध्यम से उनसे संपर्क किया गया और लगातार पैसों का दबाव बनाया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है गुलशन गुप्ता ने बताया कि नौकरी की उम्मीद में उन्होंने अन्य अवसर भी छोड़ दिए, जिससे अब उनकी आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ा है। लगातार हो रही देरी और कथित अवैध मांगों के चलते वह लंबे समय से तनाव में हैं यह मामला अब स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो यह युवाओं के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि अन्य युवाओं को इस तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े।

अति पिछड़ा सम्मेलन में सुभासपा का शक्ति प्रदर्शन, सामाजिक हिस्सेदारी पर जोर

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/ अमरोहा। (बुधवार) सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) द्वारा मुरादाबाद मंडल के जनपद अमरोहा में बुधवार को भव्य अति पिछड़ा सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं पूर्व राज्य मंत्री डॉ. अरविंद राजभर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे सम्मेलन को संबोधित करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सुभासपा शोषित, वंचित और अति पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को समान भागीदारी दिलाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट

किया कि सुभासपा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है और कमजोर तबकों के हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय लोगों की उपस्थिति देखने को मिली, जिससे पार्टी के मजबूत जनाधार और संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन हुआ इससे पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने मुरादाबाद स्थित सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली वहीं, सर्किट हाउस मुरादाबाद में डॉ. अरविंद राजभर की अध्यक्षता में जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष रवि चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भाग लिया। इस दौरान दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रस्तावित ह्यसमरसता महारैलीह्न को सफल बनाने के लिए रणनीति तय की गई और कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए इसी क्रम में जिलाध्यक्ष रवि चौधरी के नेतृत्व में बसपा एवं किसान यूनियन लोकशक्ति से जुड़े हजारों कार्यकर्ता और पदाधिकारी सुभासपा में शामिल हुए, जिसे पार्टी के विस्तार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है सम्मेलन के माध्यम से सुभासपा ने सामाजिक न्याय, समान भागीदारी और अति पिछड़े वर्ग के उत्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एक बार फिर दोहराई।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष रवि चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मो. सलीम, आशू सिक्का, जिला संगठन मंत्री अमित चौधरी, जिला प्रमुख महासचिव गौरव कुमार, महानगर प्रभारी अशोक सैनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था व सीसीटीवी सिस्टम का लिया जायजा

अनिल चौधरी,
बुलंद मंजिल

हाथरस। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल वत्स ने ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, सशस्त्र बलों की तैनाती तथा अग्निशमन उपकरणों की स्थिति की जांच की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी सीसीटीवी कैमरे संचालित पाए गए,

जिस पर संतोष व्यक्त किया गया। निरीक्षण के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने भ्रमण पंजिका पर हस्ताक्षर भी किए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), प्रभारी अधिकारी निर्वाचन, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बेटे की मौत के बाद रिश्तेदारों ने ही दिया धोखा, बीमा के 56 लाख हड़पे, 12 पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। सऊदी अरब में सड़क हादसे में बेटे की मौत के बाद परिवार को सहारा देने के बजाय रिश्तेदारों ने ही बड़ा धोखा दे दिया। बीमा क्लेम के करीब 56.25 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए मृतक के पिता ने बहन, बहनोई और भांजों समेत 12 लोगों के खिलाफ सीबीगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव खना गौटिया निवासी आबिद रजा खां के मुताबिक उनका बेटा माजिद रजा खां 2018 से सऊदी अरब में ड्राइवर की नौकरी कर रहा था। 2 फरवरी 2021 को सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई। इसके बाद बहनोई इरफान और भांजे अतीक ने भरोसा दिलाया कि हादसा दूसरे वाहन चालक की गलती से हुआ है, इसलिए बीमा का दोगुना क्लेम मिलेगा। इसी भरोसे में आकर आबिद ने अतीक के नाम पावर ऑफ अटॉर्नी कर दी, जो आगे चलकर ठगी का सबसे बड़ा जरिया बन गई।

2.25 लाख रियाल क्लेम, लेकिन पिता को नहीं मिला एक भी रुपया

आरोप है कि अतीक ने सऊदी में कागजात जुटाकर बीमा क्लेम दाखिल किया और अदालत के जरिए करीब 2.25 लाख रियाल (करीब 56.25 लाख रुपये) हासिल कर लिए। शुरू में उसने एक लाख रियाल मिलने की बात बताई और बाकी रकम मिलने पर देने का भरोसा दिया, लेकिन बाद में पैसे मिलने से ही मुकर गया। जब आबिद ने सऊदी में अन्य लोगों से जानकारी जुटाई, तब खुलासा हुआ कि पूरा क्लेम पहले ही मिल चुका है।

रिश्तेदारों के खातों में बांटी गई रकम

पीड़ित के मुताबिक अतीक ने यह रकम अपने पिता इरफान, मां परवीन, बहनों निशा, नूरन, काजल, यास्मीन, भाई आमिर, पत्नी समेत अन्य रिश्तेदारों–इजाज अहमद और अजहर उद्दीन–के खातों में ट्रांसफर कर दी। अब जब आबिद पैसे मांग रहे हैं तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। सीबीगंज थाना पुलिस ने आबिद रजा खां की तहरीर पर 12 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर प्रदीप चतुर्वेदी के मुताबिक मामले की गहनता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नहर की पुलिया के नीचे मिला युवक का शव, शराब के नशे में गिरने की आशंका

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम नदोसी में बुधवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक सीबीगंज के अनुसार, नदोसी नहर की पुलिया के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचकर जांच की गई तो मृतक की पहचान मेघनाथ उर्फ राजू (करीब 30 वर्ष) पुत्र तिलक राम लोधी राजपूत, निवासी पचा गोटिया नदोसी, थाना सीबीगंज, जनपद बरेली के रूप में हुई। प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि मृतक शराब पीने का आदी था और आशंका जताई जा रही है कि वह नशे की हालत में पुलिया के नीचे गिर गया, जहां पानी और कचरा भरा हुआ था। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना स्थल पर फील्ड यूनिट को भी बुलाया गया है, जो साक्ष्य जुटाने में लगी है। घटना के समय मृतक के परिजन भी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जागते हुए ब्रेन सर्जरी से बच रहीं अहम क्षमताएं, मरीज बोलते-चलते रहते सुरक्षित

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। ब्रेन सर्जरी को लेकर लोगों में अक्सर भय का माहौल रहता है और यह माना जाता है कि ऑपरेशन के दौरान मरीज पूरी तरह बेहोश रहता है। लेकिन आधुनिक चिकित्सा तकनीक अवेक ब्रेन सर्जरी ने इस सोच को बदल दिया है। इस विशेष प्रक्रिया में मरीज ऑपरेशन के दौरान कुछ समय के लिए जागृत अवस्था में रहता है, जिससे उसकी बोलने, समझने और चलने जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक खासकर उन मरीजों के लिए उपयोगी है जिनका ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क के संवेदनशील हिस्सों के पास होता है। ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर मरीज से बातचीत करते हैं और उसे छोटे-छोटे कार्य करने के लिए कहते हैं। इससे सर्जन को तुरंत जानकारी मिलती रहती है कि कौन-सा हिस्सा सुरक्षित है और किस हिस्से को बचाना जरूरी है मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. गौरव बंसल ने बताया कि ॠअवेक ब्रेन सर्जरी पूरी तरह सुरक्षित और सटीक प्रक्रिया है। इसमें लोकल एनेस्थीसिया के जरिए दर्द को नियंत्रित किया जाता है, जिससे मरीज को कोई तकलीफ नहीं होती उन्होंने बताया कि मस्तिष्क में दर्द महसूस करने वाले रिसेप्टर्स नहीं होते, लेकिन यही हमारे शरीर की सभी प्रमुख गतिविधियों को नियंत्रित करता है। ऐसे में सर्जरी के दौरान मरीज को जागृत रखना डॉक्टरों के लिए फायदेमंद होता है।

फायदे भी कई इस तकनीक से मरीज की बोलने, समझने और चलने की क्षमता सुरक्षित रहने की संभावना अधिक रहती है। साथ ही, ट्यूमर को अधिकतम सीमा तक निकालने में मदद मिलती है और रिकवरी भी अपेक्षाकृत तेज होती है भ्रम भी दूर करना जरूरी डॉ बंसल के मुताबिक, लोगों में यह गलतफहमी है कि जागते हुए सर्जरी दर्दनाक होती है, जबकि लोकल एनेस्थीसिया के कारण मरीज को दर्द नहीं होता। वहीं, यह भी जरूरी नहीं कि केवल युवा या मजबूत व्यक्ति ही इसके लिए उपयुक्त हों। यह पूरी तरह ट्यूमर की स्थिति पर निर्भर करता है निष्कर्ष अवेक ब्रेन सर्जरी चिकित्सा क्षेत्र की एक उन्नत तकनीक है, जो न केवल मरीज की जान बचाने में मददगार है, बल्कि उसकी जीवन की गुणवत्ता को भी सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा की जन आक्रोश पदयात्रा, विपक्ष के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी महिला संगठन की ओर से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में खड़े विपक्षी दलों के खिलाफ बुधवार को रामगंगा विहार क्षेत्र में महिलाओं ने जन आक्रोश पदयात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। पदयात्रा के माध्यम से महिलाओं ने कांग्रेस, सपा सहित अन्य दलों की नीतियों को महिला विरोधी बताते हुए कड़ा विरोध जताया यह पदयात्रा शांति निकेतन स्कूल से प्रारंभ होकर रामगंगा विहार एमआईजी ब्लॉक, ए ब्लॉक, स्टेडियम रोड और डबल स्टोरी क्षेत्र से होते हुए पुनः शांति निकेतन स्कूल पर संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और स्लोगन लेकर शामिल हुईं और विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की कार्यक्रम में महानगर मंत्री सुनीता शर्मा ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है और राजनीतिक स्तर पर भी उन्हें सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है मुख्य वक्ता अमित शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लागू किया गया यह अधिनियम लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय है, जिससे महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित होगी मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और देश के विकास को नई दिशा मिलेगी महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता ने कहा कि भाजपा महिलाओं के नेतृत्व में विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है और यह जन आक्रोश पदयात्रा उसी संकल्प का प्रतीक है पदयात्रा में महानगर महामंत्री अमित शर्मा, महानगर मंत्री सुनीता शर्मा, मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति, पार्षद पंकज शर्मा, बबली यादव, रेखा शर्मा, नेहा शर्मा, पूनम गुप्ता, अजय वर्मा, सुरेंद्र विश्नोई, मयंक कश्यप, अनुज शर्मा, विजय वर्मा, प्रवीण वोहरा, नीलम गुप्ता, सरिता अग्रवाल, मनीषा शर्मा, रश्मि शर्मा, वैशाली शर्मा, गीता सक्सैना, गौरव पांडे, राजेंद्र पाल सहित मंडल महिला मोर्चा, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ऑनलाइन सट्टा और नशे के कारोबार पर रोक की मांग, युवाओं के भविष्य को लेकर जताई चिंता

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद जनपद में तेजी से फैल रहे ऑनलाइन सट्टे और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार को लेकर चिंता गहराती जा रही है। युवाओं के भविष्य पर मंडरा रहे इस खतरे को लेकर हिन्दू समाज पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांशु जोशी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा ज्ञापन में कहा गया है कि मुरादाबाद में ऑनलाइन सट्टा बड़े पैमाने पर संचालित हो रहा है, जिसकी चपेट में युवा वर्ग तेजी से आ रहा है। आसान धन कमाने के लालच में युवा अपराध की राह पकड़ रहे हैं, जो समाज के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसके अलावा चरस, गांजा, स्मैक और नशीले इंजेक्शनों जैसे अवैध मादक पदार्थों की खुलेआम बिक्री भी युवाओं को बबार्दी की ओर धकेल रही है प्रांशु जोशी ने बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर वह पहले भी मुख्यमंत्री को रक्त से पत्र लिखकर अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन अवैध गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो इसके दुष्परिणाम और गंभीर हो सकते हैं और युवा पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय हो सकता है ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि अवैध कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने के चलते उन्हें और उनके परिवार को जान-माल का खतरा है। ऐसे में उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है प्रांशु जोशी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिन्दू समाज पार्टी युवा मोर्चा, ने कहा कि यदि प्रशासन शीघ्र कार्रवाई नहीं करता है तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगा।

मुरादाबाद में ओ.पी. राजभर का तीखा हमला, गंगा एक्सप्रेसवे को बताया विकसित भारत का आधार

अखिलेश यादव पर साधा निशाना, गाजीपुर मामले को बताया जातीय संग्राम; बंगाल चुनाव और आईपीएस अजयपाल शर्मा को लेकर भी दिया बयान

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री ओ.पी. राजभर ने मुरादाबाद दौरे के दौरान कई मुद्दों पर बड़ा बयान देते हुए विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने गंगा एक्सप्रेसवे को देश के विकास से जोड़ते हुए इसे ॠविकसित भारत के संकल्पॠ का अहम हिस्सा बताया राजभर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे के उद्घाटन की सराहना करते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन का लक्ष्य वर्ष 2027 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इसी दिशा में लगातार नई परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश के विकास को नई गति देगा अखिलेश यादव पर तीखा पलटवार

आईपीएस अधिकारी अजयपाल शर्मा को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान निष्पक्ष मतदान कराना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अनावश्यक मुद्दे उठाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है राजभर ने सपा सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में दंगे आम बात थे, जबकि वर्तमान सरकार में शांति और कानून व्यवस्था कायम है। उन्होंने मुजफ्फरनगर सहित कई घटनाओं का हवाला देते हुए सपा पर हमला बोला गाजीपुर प्रकरण पर भी बोले गाजीपुर के चर्चित मामले को लेकर राजभर ने अखिलेश यादव पर जातीय राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिस मामले को हत्या और दुष्कर्म बताया जा रहा है, उसमें जांच के दौरान प्रेम संबंध और आत्महत्या की बात सामने आई है उन्होंने दावा किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है और सीसीटीवी फुटेज में लड़की अकेले जाती दिखाई दे रही है। साथ ही यह भी कहा कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और पीड़ित परिवार पुलिस कार्रवाई से संतुष्ट है राजभर ने आरोप लगाया कि सपा केवल उन मामलों में सक्रिय होती है जहां जातीय विवाद की संभावना होती है, जबकि अन्य घटनाओं में वह चुप रहती है राजनीति में एकता की बात भी कही बीजेपी विधायक से मुलाकात के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बड़े नेताओं के बीच आपसी संबंध बने रहते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का हालचाल लेना राजनीतिक मयार्दा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भले ही छोटे स्तर पर राजनीतिक टकराव हो, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के बीच आपसी संवाद बना रहता है मुरादाबाद दौरे में ओ.पी. राजभर ने जहां विकास योजनाओं को लेकर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, वहीं विपक्ष पर तीखे हमले कर प्रदेश की राजनीति को भी गरमा दिया।

पाकबड़ा में अवैध निर्माण पर MDA का बड़ा एक्शन, सील तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

समाथल रोड सहित कई इलाकों में जांच के आदेश, दोबारा सील की गई अवैध बिल्डिंग

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद के पाकबड़ा क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (MDA) ने सख्ती तेज कर दी है। प्राधिकरण के सचिव पंकज वर्मा के निर्देश पर समाथल रोड और आसपास के क्षेत्रों में चल रहे अवैध निमार्णों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है जानकारी के अनुसार, शाहजी नगर, ख्वाजा कॉलोनी, हाशमपुर चौराहा, गिरजाघर रोड और डिंगरपुर रोड पर बिना अनुमति के निर्माण कार्य चल रहे थे, जिनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं तीन दिन पूर्व समाथल रोड पर एक निमार्णाधीन अवैध बिल्डिंग को टऊअ की टीम ने सील किया था, लेकिन कुछ ही समय बाद उस बिल्डिंग की सील तोड़ दी गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्राधिकरण की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे मामले को गंभीरता से लेते हुए सचिव पंकज वर्मा ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। इसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर बिल्डिंग को दोबारा सील कर दिया और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है सचिव ने स्पष्ट किया कि सील तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना नक्शा पास कराए या नियमों का उल्लंघन कर बनाए जा रहे भवनों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा बुधवार को जारी निदेर्शों में आसपास के सभी क्षेत्रों में चल रहे अवैध निमार्णों की जांच कराने के आदेश दिए गए हैं। टऊअ अधिकारियों के अनुसार जल्द ही व्यापक सर्वे कराया जाएगा और जिन भवनों में अनियमितता पाई जाएगी, उन्हें सील या ध्वस्त किया जाएगा स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध निर्माण जारी थे, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो रही थी। टऊअ की इस सख्ती से लोगों में उम्मीद जगी है कि अब अवैध निर्माण पर प्रभावी रोक लगेगी प्राधिकरण की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अवैध निर्माण कराने वालों में डर का माहौल है।

किरायेदार पर उत्पीड़न व अवैध कब्जे के आरोप, पीड़ित परिवार ने प्रशासन से लगाई गुहार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद । जनपद के एक परिवार ने अपने ही मकान में रह रहे किरायेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार के अनुसार, कुछ वर्ष पूर्व उन्होंने अपने मकान का एक हिस्सा किराए पर दिया था, लेकिन अब वही किरायेदार उनके लिए मुसीबत बन गया है परिवार का आरोप है कि किरायेदार ने मकान के हिस्से पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है और विरोध करने पर अभद्र व्यवहार करता है। पीड़ितों का कहना है कि किरायेदार ने घर में जबरन घुसकर मारपीट की, महिलाओं के साथ बदसलूकी की और जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है। घर की बिजली का कनेक्शन काट दिया गया है और पानी की आपूर्ति भी बाधित कर दी गई है। शौचालय के उपयोग में भी बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं, जिससे परिवार को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है पीड़ित पक्ष का कहना है कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। परिवार ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और सुरक्षित माहौल में जीवनयापन कर सकें।

कुन्दरकी के परिषदीय विद्यालयों का उऊढ मृणाली जोशी ने किया निरीक्षण, साफ-सफाई व नामांकन बढ़ाने के दिए निर्देश

निपुण ऐप और डिजिटल संदर्शिका के उपयोग की सराहना, बच्चों को चॉकलेट देकर किया प्रोत्साहित

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी ने विकास खंड कुन्दरकी क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक विद्यालय फरीदपुर हमीर, मोहम्मदपुर बस्तौर, लालपुर हमीर सहित आंगनबाड़ी केंद्र फरीदपुर हमीर व लालपुर हमीर का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर बस्तौर में निपुण टीम द्वारा डिजिटल संदर्शिका के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया गया, जिसे सीडीओ ने शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। वहीं, प्राथमिक विद्यालय फरीदपुर हमीर में निपुण ऐप के माध्यम से हो रहे असेसमेंट की विस्तृत जानकारी ली गई। कक्षा-2 के विद्यार्थियों ने हिन्दी व गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया सीडीओ ने विद्यालयों के कक्षा-कक्ष, शौचालय एवं हैंडवॉश एरिया का निरीक्षण कर साफ-सफाई बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। मिड-डे मील की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्धारित मेन्यू के अनुसार वितरण की भी समीक्षा की गई प्राथमिक विद्यालय लालपुर हमीर में कक्षा-5 के विद्यार्थियों द्वारा इंग्लिश रीडिंग का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिस पर उन्होंने शिक्षिका अंशु अग्रवाल के प्रयासों की सराहना की इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में नामांकन और छात्र उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि 6 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी बच्चों का कक्षा-1 में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे, यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया सीडीओ ने बच्चों को चॉकलेट व उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया और शिक्षकों के शैक्षिक योगदान की प्रशंसा की। आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने 3 वर्ष से अधिक आयु के सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराने तथा शत-प्रतिशत उपस्थिति व साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत: बैलेंस खत्म होने पर भी 30 दिन तक नहीं कटेगी बिजली

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ढश्श्ठछ) ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए नई सुविधाओं की घोषणा की है। इन बदलावों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति और बेहतर सेवाएं प्रदान करना है नई व्यवस्था के तहत घरेलू श्रेणी के 1 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं की बिजली बैलेंस समाप्त होने के बावजूद 30 दिनों तक नहीं काटी जाएगी। वहीं 1 से 2 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को 3 दिन या 200 रुपये (जो भी बाद में हो) तक का इमरजेंसी क्रेडिट मिलेगा। अन्य सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को भी 3 दिन का इमरजेंसी क्रेडिट पीरियड प्रदान किया जाएगा इसके साथ ही उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए नो-कट विंडो की व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक, रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिन बैलेंस खत्म होने पर भी बिजली आपूर्ति बाधित नहीं की जाएगी बिजली निगम ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि वे यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के माध्यम से नियमित रूप से अपना बैलेंस चेक करें और समय पर रिचार्ज कराएं। साथ ही, बैलेंस सकारात्मक बनाए रखने पर बिजली दरों में 2 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जाएगी स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए निगम द्वारा 14 जनपदों में विशेष मेगा कैंप आयोजित किए गए। 24 अप्रैल से 29 अप्रैल 2026 के बीच कुल 7154 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6413 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे रिचार्ज केवल अधिकृत माध्यमों जैसे यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप आधिकारिक वेबसाइट या मान्यता प्राप्त डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ही करें। किसी भी समस्या के लिए 1912 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे प्रधानमंत्री द्वारा जनपद हरदोई में किया गया लोकार्पण

गंगा एक्सप्रेसवे के इंटरचेंज लहरावन के पास प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री तथा विशिष्ट अतिथियों तथा आम जनमानस द्वारा देखा एवं सुना गया

दैनिक बुलंद मंजिल/ ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल / बहजोई। मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उदघाटन आज दिनांक 29 अप्रैल 2026 को हरदोई से मा. प्रधानमंत्री जी श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण तथा जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जनपद सम्भल के विकासखंड बहजोई के ग्राम लहरावन गंगा एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के पास किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री/ राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश शासन धर्मवीर प्रजापति रहे एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव एवं विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान , भाजपा जिला अध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू , पूर्व विधायक गुन्नौर एवं पूर्व मंत्री अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी , पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी , माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी के प्रतिनिधि रामपाल ,पूर्व सदस्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग उत्तर प्रदेश साध्वी गीता प्रधान जी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बहजोई की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर स्वागत सम्मान किया गया । कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा जनगणना 2027 के अंतर्गत स्वगणना पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। सूचना विभाग लखनऊ से आये

कलाकारों द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे को लेकर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। जनपद हरदोई से प्रधानमंत्री द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण का सजीव प्रसारण मुख्य अतिथि एवं समस्त विशिष्ट अतिथियों, अधिकारियों तथा जनमानस के द्वारा देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान द्वारा संबोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के द्वारा जनता का निरंतर विकास हो रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने कहा कि हमारी सरकार में बहुत एक्सप्रेसवे बने हैं । गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद जनपद में काफी बदलाव आएंगे जनपद के खिरनी में औद्योगिक क्षेत्र बनने से स्थानीय युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा और जनपद विकास की और अग्रसर होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि संभल एक ऐतिहासिक एवं पौराणिक नगरी है इस नगरी को नई पहचान दिलाने का कार्य और इस पहचान के तहत नई दिशा देने का कार्य प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया है। इस जनपद को गंगा एक्सप्रेसवे की सौगात देते हुए हमारे जनपद को औद्योगिक के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला है और उन्होंने कहा कि हम सभी इसके लिए प्रधानमंत्री जी एवं मा. मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हैं उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे रोजगार के साधनों को बढ़ावा देगा। जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया ने अपने संबोधन में कहा की उत्तर प्रदेश में यह सबसे विराट एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबा है जिसका उद्घाटन आज प्रधानमंत्री जी के द्वारा जनपद हरदोई में किया जा रहा है उसी क्रम में गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़े प्रत्येक जनपद में कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे जनपद संभल में कुल 38.650 किलोमीटर लंबा है और उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे जनपद के 31 गांवों से होकर गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि जब एक एक्सप्रेसवे जनपद से होकर गुजरता है उससे जनपद को बहुत लाभ होता है। जनपद सम्भल में गंगाएक्सप्रेसवे पर दो स्थानों पर इंटरचेंज है एक खिरनी मउद्दीनपुर में तथा एक लहरावन में।उन्होंने कहा कि जब भी जनपद में एक्सप्रेसवे बनता है उससे यात्रा का समय कम हो जाता है ईंधन ,ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलती है यात्रा सामान्य सड़क से अधिक सुरक्षित होती है क्योंकि इस पर डिवाइडर क्रैश बैरियर, एंट्री एग्जिट के अलग-अलग बिंदु होते हैं , इसका डिजाइन जीरो एक्सीडेंट/ एक्सीडेंट फ्री डिजाइन होता है इसके कारण दुर्घटनाओं की सम्भावना कम होती है। उन्होंने कहा कि जब एक्सप्रेसवे पूर्ण रूप से चलने लगेगा लॉजिस्टिक की चीज ,भंडारण एवं कोल्ड चैन जो एनसीआर में होती हैं वह हमारे जनपद में भी आना शुरू हो जाएगी इसके साथ ही साथ यात्रा तेज और सस्ती होगी। जनपद में एनसीआर से भूमि सस्ती है तथा भूमि सस्ती होने के कारण उद्योगों का विकेंद्रीकरण होगा दिल्ली गाजियाबाद नोएडा में जो उद्योग हैं वह धीरे-धीरे सम्भल में आना शुरू होंगे क्योंकि वहां से कनेक्टिविटी बढ़ेगी जब उद्योग आएंगे जब जनपद के 31 गांव जहां से एक्सप्रेसवे गुजरता है उन सभी गांव की भूमि की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी इसका लाभ यहाँ के लोगों को होगा।जनपद में 500 हेक्टेयर क्षेत्र में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बन रहा है इसमें मेंथा, हैंडीक्राफ्ट, खाद्य प्रसंस्करण आदि उद्योग जनपद में आने शुरू होंगे जब इतने उद्योग आएंगे तब सर्विस सेंटर एवं लॉजिस्टिक हब भी बनेंगे इससे रोजगार बढेगा। किसानों को अपने उत्पाद (फल, सब्जी, अनाज आदि) बड़े बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी जिससे किसानों की आय में बढोत्तरी होगी।संभल में 308 करोड़ से 24 कोसीय परिक्रमा का निर्माण किया जा रहा है तथा इसके साथ-साथ 150 करोड रुपए से अधिक से तीर्थ स्थानों का पुनर्निर्माण हो रहा है।लगभग 500 करोड़ से पूरे जनपद संभल के आसपास के क्षेत्र में तीर्थों का विकास हो रहा है जिससे तीर्थाटन बढ़ेगा, पर्यटन बढ़ेगा तथा इसका सीधा लाभ जनपद संभल के लोगों को मिलेगा। जनपद संभल दिल्ली के बहुत निकट होने के बाद भी हमेशा पिछड़ा रहा है लेकिन मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जनपद संभल पूरे प्रदेश में टॉप 10 एक्सपोर्टर के अंदर शामिल हो गया है। ?2400 करोड़ के निर्यात के साथ जनपद संभल प्रदेश में दसवें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि जनपद संभल पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड से जुड़ेगा पूरा पश्चिम क्षेत्र आपस में जुड़ जाएगा उत्तर प्रदेश का आपस में और पूरे भारत के साथ एक आर्थिक एवं विकास का एकीकरण होगा। प्रभारी मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे पश्चिम से लेकर पूर्वांचल को जोड़ने का एक माध्यम है उन्होंने कहा कि यह मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबा है और 12 जनपदों से होकर गुजरेगा और उन्होंने कहा कि जन सुविधा के लिए 9 सुविधा केंद्र इसके अंतर्गत बनाए गए हैं एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक कलस्टर विकसित किए जाएंगे उद्योग विकसित होने से रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं ।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में काफी बदलाव आया है माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व वाली सरकार में लोगों के अंदर विश्वास जागा है उत्तर प्रदेश में निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से भर्तियां हो रही हैं। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार द्वारा भारत की जनगणना 2027 के अन्तर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना जोकि 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक चलेगी से पूर्व होने वाली स्व गणना जोकि 07 मई से 21 मई तक चलेगी उसको लेकर कार्यक्रम में आये ग्राम प्रधान आदि को जागरूक किया एवं स्व गणना के विषय में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरव कुमार पाण्डेय, उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी एवं संबंधित अधिकारी तथा जनमानस आदि उपस्थित रहे।

डिजिटल दुनिया के कानूनी योद्धा तैयार करेगा रुविवि, साइबर कानून में एलएलएम के एडमिशन शुरू, एआई-टेक लॉ पर फोकस

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के लीगल स्टडीज संकाय ने डिजिटल दौर की मांग को देखते हुए सत्र 2026-27 के लिए एलएलएम (साइबर लॉ) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। नैक ए डबल प्लस श्रेणी की साख के साथ विश्वविद्यालय का यह दो वर्षीय मास्टर प्रोग्राम चार सेमेस्टर में संचालित होगा, जिसका उद्देश्य तकनीकी और कानूनी ज्ञान से लैस विशेषज्ञ तैयार करना है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, पाठ्यक्रम का ढांचा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी लॉ और डिजिटल नियमों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज के समय में डेटा सुरक्षा और ऑनलाइन निजता वैश्विक चुनौती बन चुकी है। ऐसे में यह कोर्स विद्यार्थियों को डिजिटल पहचान, प्राइवेसी अधिकार और ऑनलाइन व्यक्तित्व की सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से रूबरू कराएगा।

ई-कॉमर्स और डिजिटल कॉन्ट्रैक्ट की समझ

कोर्स के तहत छात्रों को ई-कॉमर्स सेक्टर में तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन बिजनेस मॉडल्स की कानूनी बारीकियां भी सिखाई जाएंगी। डिजिटल कॉन्ट्रैक्ट, साइबर अपराध, डेटा प्रोटेक्शन और आईटी कानून जैसे विषयों पर विशेष फोकस रहेगा, ताकि छात्र बदलते डिजिटल इकोसिस्टम के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कोर्स के बाद छात्रों के लिए लॉ फर्म, बड़ी टेक कंपनियों और सरकारी पॉलिसी मेकिंग से जुड़े क्षेत्रों में करियर के व्यापक अवसर खुलेंगे। विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन के लिए चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (उइउर) और क्रेडिट ट्रांसफर सिस्टम लागू किया है, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई में लचीलापन मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन

इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.mjpru.ac.in पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। किसी भी तकनीकी सहायता के लिए हेल्पडेस्क नंबर 8630204603 , 9412876700 , 9359368632 जारी किए गए हैं। इसके अलावा अभ्यर्थी lawdepartment-mjpru@gmail.com पर ईमेल के जरिए भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रिश्वत की रकम हाथ में आते ही कानूनगो गिरफ्तार, जमीन की नाप के नाम पर मांगे थे 10 हजार रुपये

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जमीन की नाप-तौल के नाम पर रिश्वत की डील कर रहा चकबंदी विभाग का कानूनगो आखिरकार एंटी करप्शन टीम के जाल में फंस गया। फरीदपुर तहसील में तैनात आरोपी को 10 हजार रुपये की घूस लेते ही टीम ने रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद सरकारी महकमे में खलबली मच गई है। मंगलवार शाम करीब 5:22 बजे फतेहगंज पूर्वी रेलवे क्रॉसिंग के पास एंटी करप्शन टीम ने पूरी प्लानिंग के साथ जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी कमल सुधीर शुक्ला ने शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये लिए, टीम ने मौके पर ही उसे दबोच लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से आसपास के इलाके में भी अफरा-तफरी मच गई।

जमीन की नाप के बदले मांगी थी सेटिंग की रकम

फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र के ग्राम खजुरिया निवासी राजीव ने शिकायत की थी कि उसकी जमीन की नाप-तौल के लिए कानूनगो खुलेआम 10 हजार रुपये की मांग कर रहा है। बिना पैसे काम न करने की बात कहकर दबाव बनाया जा रहा था। परेशान होकर शिकायतकर्ता ने एंटी करप्शन संगठन का दरवाजा खटखटाया। शिकायत मिलते ही एंटी करप्शन टीम हरकत में आई और ट्रैप प्लान तैयार किया गया। तय रणनीति के तहत शिकायतकर्ता को आरोपी के पास भेजा गया। जैसे ही पैसे का लेन-देन हुआ, टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूरे ऑपरेशन को बेहद गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया।

अब जेल की राह, भ्रष्टाचार अधिनियम में मुकदमा

गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। टीम प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह की अगुवाई में हुई इस कार्रवाई को शासन की जीरो टॉलरेंस नीति का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद चकबंदी विभाग समेत कई सरकारी दफ्तरों में हलचल तेज हो गई है। एंटी करप्शन टीम के इस एक्शन ने साफ कर दिया है कि अब रिश्वतखोरी करने वालों की खैर नहीं—जाल बिछ चुका है और अगला नंबर किसी का भी हो सकता है।

अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन चल रहे फॉर्म में

वहीं हैदराबाद का अब तक का सीजन काफी मजबूत और लगातार अच्छा रहा है। आठ मैचों में पांच जीत के साथ, वे अंक तालिका के ऊपरी हिस्से में मजबूती से जमे हुए हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने की राह पर पूरी तरह से अग्रसर दिख रहे हैं। टीम को एक आक्रामक और शानदार फॉर्म में चल रही बल्लेबाजी लाइन-अप से काफी बल मिला है, जिसने बार-बार बड़े स्कोर खड़े किए हैं। पैट कमिंस की अगुआई में, हैदराबाद ने आक्रामकता और संयम के बीच सही संतुलन बिठाया है। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में हेनरिक क्लासेन एक अहम खिलाड़ी साबित हुए हैं, जिनमें स्पिन और तेज गेंदबाज़ी, दोनों के ही खिलाफ दबदबा बनाने की ज़बरदस्त क्षमता है। उनकी सामूहिक फॉर्म की बदौलत ही टीम इस सीजन में कई बार 200 से ज़्यादा का स्कोर खड़ा करने में सफल रही है, जो उनकी बल्लेबाज़ी की गहराई को बखूबी दर्शाता है।

भुवनेश्वर पर्पल कैप की दौड़ में सबसे ऊपर पहुंचे

एजेंसी □ नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को उनके आईपीएल 2026 घरेलू मुकाबले में 75 रन पर ऑलआउट कर दिया। गेंद के साथ आरसीबी के शानदार प्रदर्शन के चलते पर्पल कैप लीडरबोर्ड में नया लीडर सामने आया। मैच में सिर्फ 152 रन बने, लेकिन फिर भी ऑरेंज कैप की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ।

भुवनेश्वर कुमार ने डीसी के खिलाफ 3-0-5-3 के आंकड़े दर्ज किए, जिसमें उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए और आरसीबी ने डीसी को 81 गेंद शेष रहते नौ विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। अंशुल कंबोज और इशान मलिंगा की तरह भुवनेश्वर के भी 14 विकेट हैं, लेकिन उनका औसत 16.85, उन्हें कंबोज (16.92) और मलिंगा (18.21) से आगे ले गया।

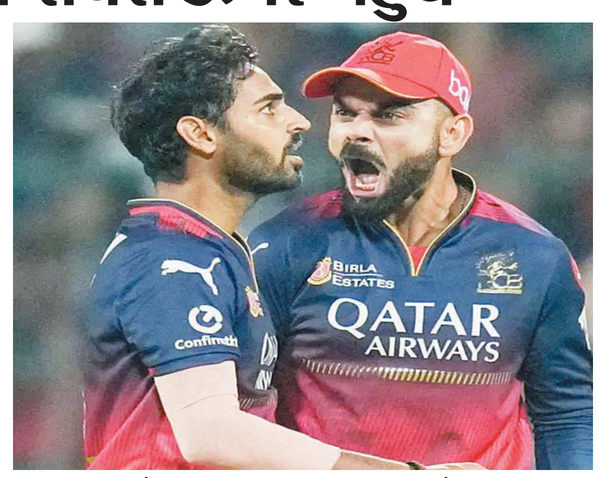

एम्बाप्पे पर ला लीगा सीजन से हो सकते हैं बाहर

एजेंसी □ मैड्रिड

रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे पर ला लीगा सीज़न के आखिरी पांच मैच, जिनमें 10 मई को एफसी बार्सिलोना के खिलाफ होने वाला मैच भी शामिल है, न खेल पाने का खतरा मंडरा रहा है। क्लब ने इस बात की पुष्टि की है कि शुक्रवार रात रियल बेटिस के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान एम्बाप्पे को मांसपेशियों में चोट लग गई थी।

मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले एम्बाप्पे को मैदान छोड़ना पड़ा था, उस समय रियल मैड्रिड 1-0 से आगे चल रहा था; लेकिन हेक्टर बेलेरिन के आखिरी पलों में किए गए बराबरी वाले गोल ने इस सीजन का खिताब जीतने की मैड्रिड की उम्मीदों पर लगभग पानी फेर दिया।

रियल मैड्रिड की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, 'आज किलियन एम्बाप्पे के किए गए टेस्ट के बाद, यह पता चला है कि उनके बाएं पैर की सेमीटेंडिनोसस मांसपेशी में चोट लगी है। '

ऑरेंज कैप रेस में अभिषेक शर्मा शीर्ष पर, विराट चौथे स्थान पर

विराट कोहली ने दिल्ली में 76 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 23 रन बनाए और आईपीएल में 9000 रन पूरे किए। इस पारी के साथ वह ऑरेंज कैप की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके 351 रन हैं, जबकि औसत 58.50 का है। कोहली अब वैभव सूर्यवंशी से सिर्फ छह रन पीछे हैं, जबकि सूर्यवंशी, खुद केएल राहुल से केवल एक रन पीछे हैं। डीसी के सलामी बल्लेबाज़ राहुल ने आरसीबी के खिलाफ सिर्फ एक रन बनाया, लेकिन इतना ही उन्हें सूर्यवंशी से आगे ले जाने और 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए काफी था।

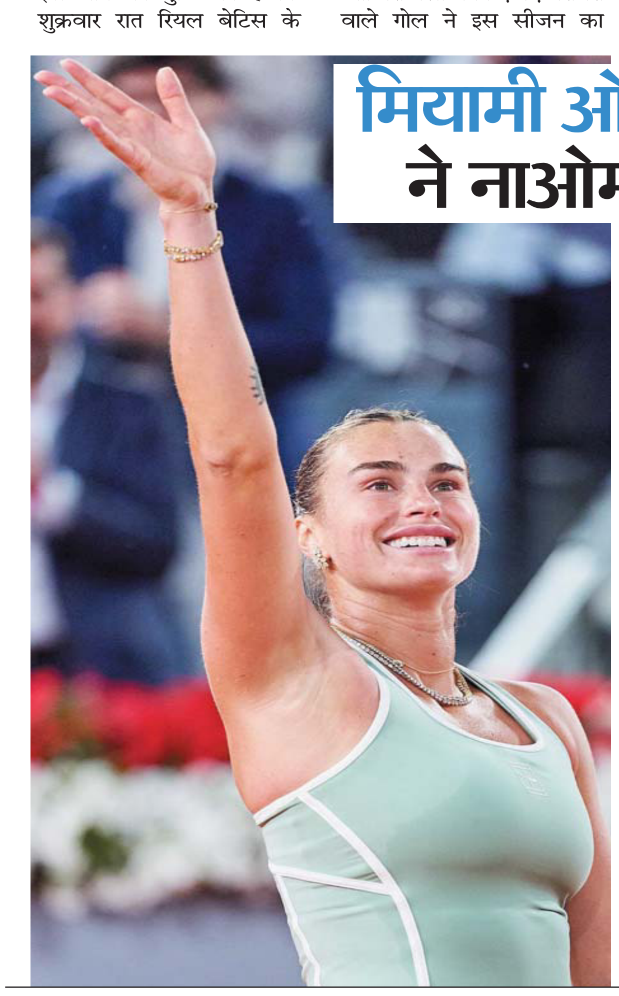

मियामी ओपन : आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराया

एजेंसी □ मैड्रिड

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मियामी ओपन के चौथे दौर में जापान की नाओमी ओसाका को हराया और क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई।

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने दो घंटे 20 मिनट में 6-7 (1-7) 6-3 6-2 से जीत हासिल करते हुए इस साल अपनी लगातार 15वीं जीत - और मैड्रिड में लगातार नौवीं जीत दर्ज की। अंतिम 16 के एक अन्य मुकाबले में, अमेरिका की तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा के हाथों 4-6 6-1 6-7 (5-6) से हार का सामना करना पड़ा। पेट के वायरस के कारण अस्वस्थ चल रहीं अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ जब नई विश्व रैंकिंग जारी होगी तो तीसरे से चौथे स्थान पर खिसक जाएंगी, और उनकी जगह पोलैंड की इगा स्वियातेक ले लेंगी।

मैड्रिड ओपन : ज्वेरेव ने मैड्रिड में लगातार 9वीं जीत दर्ज की

एजेंसी □ मैड्रिड

अलेक्जेंडर ज्वेरेव सोमवार रात मैड्रिड ओपन में दबाव के बावजूद डटे रहे, उन्होंने मैच के आखिरी पलों में आई थोड़ी सी मुश्किल का सामना करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी शानदार बढ़त को जारी रखा।

दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी दूसरे सेट में 5-3 के स्कोर पर मैच खत्म करने वाली सर्विस नहीं कर पाए, जब टेरेंस आत्मान ने मैच का पासा पलटने की कोशिश की, लेकिन ज़्वेरेव ने खुद को संभाला और 6-3, 7-6(2) से जीत हासिल की। मनोलो सैन्टाना स्टेडियम में 1 घंटे 37 मिनट तक चले इस मैच में जीत के साथ, दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज़्वेरेव ने इस टूर्नामेंट में अपने नौवें प्रयास में नौवीं बार अंतिम 16 में जगह बनाई है।

डब्ल्यूएफआई ने विनेश फोगाट के दावे को किया खारिज

एजेंसी □ नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट के इस दावे को खारिज कर दिया कि महासंघ उन्हें अगले महीने होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से रोक रहा है। संजय सिंह ने कहा कि उनका रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। वह बेवजह यह मुद्दा क्यों बना रही हैं। सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 10 से 12 मई तक उत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित नंदिनीनगर महाविद्यालय में होना है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 30 अप्रैल है।

विनेश ने आरोप लगाया था कि वह इस प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ पोर्टल पर दिखा रहा है कि रजिस्ट्रेशन बंद हो चुके हैं और महासंघ प्रशासन उनके फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहा है। समाचार एजेंसी के अनुसार, भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने विनेश के दावों को गलत बताते हुए उनकी रजिस्ट्रेशन की एक कॉपी विशेष रूप से साझा की।

बिजनौर की गौशालाओं में बड़ा खेल? घटते गौवंश पर बवाल, सामूहिक इस्तीफे व पलायन की चेतावनी

विश्व हिन्दू महासंघ (गौ रक्षा प्रकोष्ठ) ने उठाए सवाल—रिपोर्ट क्लीन, लेकिन 27 गौवंश गायब; प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । जनपद बिजनौर में गौशालाओं की स्थिति को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। विश्व हिन्दू महासंघ (गौ रक्षा प्रकोष्ठ) के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गौवंश की लगातार घटती संख्या पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे माननीय मुख्यमंत्री ङ्क्ष अ्रि३८ल्लं३ँ जी को सामूहिक त्यागपत्र सौंपकर जनपद छोड़ने अपनी जन्मभूमि घर तक छोड़ने का कदम उठा सकते हैं।

आंकड़ों ने बढ़ाया विवाद

संगठन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसारः

03 अप्रैल 2026 ?? 507 गौवंश

11 अप्रैल 2026 ?? 491 गौवंश

28 अप्रैल 2026 ?? 480 गौवंश

कुल 27 गौवंश कम – बड़ा सवाल

जबकि प्रशासनिक स्तर पर सभी रिपोर्ट ह्लसहीह्व बताई जा रही हैं, फिर भी गौवंश की संख्या में लगातार गिरावट सामने आ रही है।

क्लीन रिपोर्ट पर उठे सवाल

संगठन का आरोप है कि सीओ चांदपुर, इऊड नूरपुर दिनेश शर्मा और पशु चिकित्साधिकारी डॉ. स्वाति संचाना की रिपोर्ट भी संतोषजनक बताई जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है।

प्रशासन पर गंभीर आरोप

पदाधिकारियों का कहना है कि डीएम बिजनौर, पशुपालन विभाग और पुलिस प्रशासन को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन कोई ठोस और स्थायी कार्रवाई नहीं की गई। इससे कार्यकताओं और आम जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

उठ रहे बड़े सवाल

क्या गौवंश की वास्तविक संख्या छिपाई जा रही है?

क्या ऋढर रिकॉर्ड भी फर्जी हैं?

क्या प्रशासनिक मिलीभगत के चलते सच्चाई दबाई जा रही है?

आंदोलन की चेतावनी

संगठन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द उच्चस्तरीय जांच नहीं कराई गई तो यह मामला बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है। सामूहिक इस्तीफे और जनपद से पलायन तक की बात कही गई है, जिससे प्रशासनिक तंत्र में भी हलचल मच गई है।

स्थानीय लोगों की मांग

ग्रामीणों और गौ-सेवकों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि गौ संरक्षण के नाम पर हो रही अनियमितताओं पर रोक लग सके।

बिजनौर की गौशालाओं में घटते गौवंश का मामला अब प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह विवाद व्यापक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

फीना (अजीमुल्ला नगर) गौशाला पर बड़ा बवाल! घटते गौवंश ने खड़े किए गंभीर सवाल, हिसाब दो

27 गौवंश कम होने पर घमासान—विश्व हिन्दू महासंघ (गौ रक्षा प्रकोष्ठ) का अल्टीमेटम; प्रशासन से नए गौवंश का भी मांगा पूरा रिकॉर्ड

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर ।फीना (अजीमुल्ला नगर) स्थित गौशाला में गौवंश की लगातार घटती संख्या को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विश्व हिन्दू महासंघ (गौ रक्षा प्रकोष्ठ) के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने इस मामले को लेकर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

आंकड़े जो बढ़ा रहे शक

03 अप्रैल 2026 ?? 507 गौवंश

11 अप्रैल 2026 ?? 491 गौवंश

28 अप्रैल 2026 ?? 480 गौवंश

कुल 27 गौवंश कम—जिम्मेदार कौन?

जब सभी रिपोर्ट सही, तो फिर यह अंतर क्यों?

संगठन का कहना है कि गौशाला की स्थिति को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सब कुछ ठीक बताया जा रहा है, लेकिन वास्तविक आंकड़े कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं।

प्रशांत तोमर (प्रदेश उपाध्यक्ष) का बयानः

यदि गौशाला में सब कुछ ठीक है, तो गौवंश आखिर कहां जा रहा है? यह बड़ा घोटाला हो सकता है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

स्वाति तोमर (प्रदेश उपाध्यक्ष) का आरोपः

गौ संरक्षण के नाम पर सिर्फ कागजी कार्यवाही हो रही है। जमीनी हकीकत छिपाई जा रही है, जो बेहद चिंताजनक है।

नागेन्द्र सिंह राजपूत (प्रदेश मंत्री, वरिष्ठ पत्रकार) का कड़ा रुखः

बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। क्या GPS रिकॉर्ड भी फर्जी हैं? क्या सच्चाई को दबाया जा रहा है? यदि जल्द जांच नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन होगा।

दीपक शर्मा (जिला अध्यक्ष) का ऐलानः

यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो जिला स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा और जिम्मेदार अधिकारियों को जवाब देना होगा।

नए गौवंश का हिसाब भी मांगा

संगठन ने प्रशासन से यह भी सवाल किया है कि अब तक गौशाला में कितने नए गौवंश लाए गए, कितनों की मृत्यु हुई और वर्तमान वास्तविक संख्या क्या है—इसका पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए।

प्रमुख सवालः

क्या गौवंश की संख्या में हेराफेरी हो रही है?

क्या क्लीन रिपोर्ट के पीछे सच्चाई छिपाई जा रही है?

क्या प्रशासनिक मिलीभगत से यह खेल चल रहा है?

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांगः

संगठन ने माननीय मुख्यमंत्री ङ्क्ष अ्रि३८ल्लं३ँ जी से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

फीना (अजीमुल्ला नगर) गौशाला का मामला अब पूरे जनपद में चर्चा का विषय बन चुका है। यदि समय रहते पारदर्शिता और सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह विवाद बड़े जनआंदोलन में बदल सकता है।

चांदपुर में पुलिस का बड़ा एनकाउंटर! गौकशी कांड का मास्टरमाइंड अजीम उर्फ छंगा दबोचा

पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई—पैर में गोली लगने से घायल; अवैध हथियार व गौकशी के उपकरण बरामद, गिरोह का पदार्फाश

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र में हुई गौकशी की सनसनीखेज घटना में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। फरार चल रहे मुख्य आरोपी अजीम उर्फ छंगा को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस की सक्रियता की चर्चा जोरों पर है।

जानकारी के अनुसार, 14 अप्रैल 2026 को ग्राम सब्दलपुर तेली के पास गौवंश के अवशेष मिलने के बाद थाना चांदपुर में मुकदमा संख्या 200/2026 धारा 3/5/8 गौवध निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कई टीमें गठित की गई थीं।

पहले भी 4 आरोपी हो चुके थे गिरफ्तार

पुलिस ने 16/17 अप्रैल की रात मुखबिर की सूचना पर बेरखेड़ा मार्ग के पास मुठभेड़ के दौरान वसीम, फईम, तहसीन उर्फ कलबा और फरीद को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस, मोटरसाइकिल, स्कूटी और पशु काटने के उपकरण बरामद हुए थे।

फरार मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

29 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य आरोपी अजीम उर्फ छंगा ग्राम अकौदा गंग नहर पटरी के पास मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

हथियार व उपकरण बरामद

गिरफ्तार आरोपी के पास से एक मोटरसाइकिल, 315 बोर का तमंचा, कारतूस, पशु काटने के उपकरण (छुरी, चापड़, रस्सी) और नकदी बरामद की गई है। घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में सीएचसी स्याऊ में भर्ती कराया गया है।

दो आरोपी अब भी फरार

मुठभेड़ के दौरान कामिल और राशिद नामक दो अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पूछताछ में किया बड़ा खुलासा

पुलिस पूछताछ में आरोपी अजीम ने अपने साथियों के साथ मिलकर गौकशी की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। मुठभेड़ के संबंध में थाना चांदपुर में मुकदमा संख्या 234/2026 धारा 3(5)/109(1) बीएनएस व 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह, उपनिरीक्षक सुभाष चौधरी व कांस्टेबल अमित कुमार, अंकित कुमार, अंकुर कुमार और आदेश कुमार की अहम भूमिका रही।

क्षेत्र में स्थिति सामान्य

पुलिस के अनुसार घटना के बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और सुरक्षा के मद्देनजर निगरानी बढ़ा दी गई है।

सरस्वती विद्या मंदिर चांदपुर में लोकतंत्र का उत्सव! छात्र संसद चुनाव और शतरंज प्रतियोगिता ने बिखेरी चमक

76% मतदान के साथ छात्र संसद चुनाव सम्पन्न—कबीर यादव बने अध्यक्ष, यश कुमार प्रधानमंत्री और हंसिका सेनापति; शतरंज में छात्रों ने दिखाई रणनीतिक प्रतिभा

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । स्थित Saraswati Vidya Mandir Chandpur में बुधवार को छात्र संसद चुनाव एवं इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और अनुशासन के साथ किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में लोकतांत्रिक माहौल देखने को मिला, जहां छात्रों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

छात्र संसद चुनाव में दिखा जोश

दिनांक 29 अप्रैल 2026 को आयोजित छात्र संसद चुनाव में 76 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो छात्रों की जागरूकता और सहभागिता को दशार्ता है। अध्यक्ष पद के लिए कृष्णा गिरी व मयंक कुमार, प्रधानमंत्री पद के लिए यश कुमार, रुद्रांश गुप्ता व यशवर्धन राजपूत तथा सेनापति पद के लिए हंसिका, सगुन, काव्य व भूमिका ने नामांकन किया।

चुनाव प्रक्रिया के पीठासीन अधिकारी श्री कलवा सिंह रहे। प्रधानाचार्य श्री नवनीत कुमार के निर्देशन में मतगणना समिति (प्रत्यक्ष जी, राजेश जी, स्वाति जी व नितिन सैनी) ने पारदर्शिता के साथ मतगणना सम्पन्न कराई।

घोषित परिणामः

अध्यक्षः कबीर यादव

प्रधानमंत्रीः यश कुमार

सेनापतिः हंसिका

सभी विजयी प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह 6 मई 2026 को वंदना सत्र में आयोजित किया जाएगा।

शतरंज प्रतियोगिता में दिखी प्रतिभा

इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता में शिवाजी, प्रताप, सुभाष और विवेकानंद हाउस के छात्रों ने जूनियर एवं सीनियर वर्ग में भाग लिया और अपनी रणनीतिक सोच का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के परिणामः

जूनियर (बहिनें):

अंशी (विवेकानंद हाउस)

आस्था (शिवाजी हाउस)

राशि (प्रताप हाउस)

सीनियर (बहिनें):

हंसिका (विवेकानंद हाउस)

प्रियांशी (शिवाजी हाउस)

शगुन (प्रताप हाउस)

जूनियर (भैया):

आदित्य (विवेकानंद हाउस)

नैतिक (सुभाष हाउस)

शिवांश (शिवाजी हाउस)

सीनियर (भैया):

वैभव (प्रताप हाउस)

प्रिंस (सुभाष हाउस)

यश (शिवाजी हाउस)

सफल आयोजन

कार्यक्रम का संचालन श्री कलवा जी व प्रत्यक्ष जी द्वारा किया गया, जबकि छायांकन आचार्य रचित जी ने किया। पूरे आयोजन में अनुशासन और उत्साह का शानदार समन्वय देखने को मिला। इस आयोजन ने छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनुभव कराने के साथ-साथ उनकी बौद्धिक और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया।

कल बरेली में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कई अहम कार्यक्रमों में लेंगी हिस्सा, सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह हाई अलर्ट पर

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का बरेली दौरा कल तय है। गुरुवार को वह शहर में शिक्षा, बाल संरक्षण और संस्थागत व्यवस्थाओं का जायजा लेंगी। उनके दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक राज्यपाल सुबह 10:45 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लखनऊ से रवाना होकर 11:20 बजे बरेली के त्रिशूल हवाई अड्डे पहुंचेंगी। यहां से सीधे दिशा इंटर कॉलेज जाएंगी, जहां 11:25 से 12:30 बजे तक स्कूल की व्यवस्थाओं, शिक्षण गुणवत्ता और संसाधनों की हकीकत परखेंगी। प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे। दोपहर 12:55 बजे से 1:25 बजे तक राज्यपाल किला स्थित राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण करेंगी। यहां वह बच्चों की रहन-सहन, सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर जमीनी स्थिति जानेंगी। यदि कहीं खामियां मिलीं तो जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब-तलब भी हो सकता है।

अहम मुद्दों पर चर्चा के आसार, संतोष गंगवार भी होंगे मौजूद

इसके बाद राज्यपाल 1:25 बजे कार से महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय पहुंचेंगी। 1:40 से 3:45 बजे तक यहां उनका भोजन और बैठक कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस दौरान विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं, शिक्षा स्तर और विकास कार्यों को लेकर चर्चा होने की संभावना है। शाम 3:45 बजे राज्यपाल रामगंगानगर स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल की नई शाखा के उद्घाटन के लिए रवाना होंगी। 4 बजे से 5 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में संतोष गंगवार की मौजूदगी भी रहेगी, जिससे आयोजन को खास अहमियत मिल गई है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

राज्यपाल के दौरे को देखते हुए पूरे शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। त्रिशूल हवाई अड्डे से लेकर कार्यक्रम स्थलों तक पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। रूट डायवर्जन की भी तैयारी की गई है, ताकि आम जनता को कम से कम परेशानी हो। अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि सुरक्षा और प्रोटोकॉल में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिनभर के कार्यक्रमों के बाद राज्यपाल शाम 5:20 बजे त्रिशूल हवाई अड्डे से वापस चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के लिए रवाना होंगी। उनके दौरे को लेकर प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज है और हर स्तर पर नजर रखी जा रही है।

टप्पेबाजी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, नकदी के साथ एक गिरफ्तार, एएसपी ने किया खुलासा

दैनिक बुलंद मंज़िल /संवाददाता रामौतार शर्मा

संभल/बहजोई । अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बबराला थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने महिलाओं को झांसे में लेकर जेवर ठगने वाले गिरोह के एक शातिर सदस्य को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के पास से ठगी के आभूषण बेचकर प्राप्त किए गए 20,400 रुपये नकद बरामद हुए हैं।एसपी मनोज कुमार रावत ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी व क्षेत्राधिकारी गुन्नौर के निर्देशन में थाना प्रभारी बबराला सौरभ त्यागी की टीम ने इस कार्यवाही को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान असलम पुत्र लालदीन, निवासी जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। ऐसे देते थे वारदात को अंजाम पूछताछ में आरोपी ने कुबूल किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर राह चलती महिलाओं को निशाना बनाता था। बीती 13 अप्रैल को बबराला क्षेत्र में एक महिला को स्वर्ग दिखाने के बहाने झांसे में लिया और उसके सोने के कुंडल व चेन उतरवाकर पर्स में रखवा दिए। मौका पाकर आरोपी पर्स लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने 'यक्ष ऐप' और सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी को नूरपुर तिराहे से दबोच लिया। शातिर अपराधी है असलम पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार असलम एक अभ्यस्त अपराधी है। उस पर गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम और संभल के बबराला थाने में लूट, धोखाधड़ी और चोरी के आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस टीम में शामिल रहे थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी के साथ उपनिरीक्षक नवनीत कुमार, रामेन्द्रपाल सिंह व कांस्टेबल अजय कुमार, सागर सौराणा व मदनगोपाल ने इस सफल अनावरण में मुख्य भूमिका निभाई। पुलिस अब गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की, दिए आवश्यक निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलक्ट्रेट सभागार में नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने, शहरों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ रखने तथा कूड़ा निस्तारण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से आवास उपलब्ध कराने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। भीषण गर्मी को देखते हुए उन्होंने पशु-पक्षियों के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर पानी की समुचित व्यवस्था करने, सार्वजनिक स्थलों पर पानी के पात्र रखने तथा नियमित रूप से पानी भरवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इसके साथ ही अधिक भीड़भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित कर रैन बसेरों में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने, पेयजल, पंखे, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी नगरीय निकाय जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें। इस मौके पर सभी नगरपालिका अधिशासी अधिकारी मौजूद रहे।

चांदपुर-हल्दौर मार्ग पर मेले में दो गुट भिड़े, धक्का-मुक्की से दहशत का माहौल — तहरीर न होने से कार्रवाई ठंडी

नुमाइश मेले में बवाल! मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक रूप, देर रात मची अफरा-तफरी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। हल्दौर मार्ग स्थित नुमाइश मेले में देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब दो युवकों के गुटों के बीच मामूली कहासुनी अचानक बड़े विवाद में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले हल्की नोकझोंक हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

घटना के दौरान मेले में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। महिलाएं, बच्चे और परिवारजन सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे, जिससे कुछ समय के लिए पूरे मेले का माहौल अफरा-तफरी में तब्दील हो गया। कई दुकानदारों ने भी एहतियात के तौर पर अपनी दुकानें समेटनी शुरू कर दीं। स्थानीय लोगों और मेले में मौजूद व्यवस्था संभाल रहे लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया, जिसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो सकी। गनीमत रही कि इस दौरान कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ और बड़ी घटना टल गई। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरूआत किसी छोटी सी बात–संभवतः आपसी टकराव या टिप्पणी–को लेकर हुई थी, लेकिन युवकों के उग्र व्यवहार के कारण मामला बढ़ गया।

पुलिस की भूमिका पर सवालः घटना के संबंध में किसी भी पक्ष द्वारा थाने में कोई तहरीर नहीं दी गई है, जिसके चलते पुलिस की ओर से अभी तक कोई औपचारिक कार्रवाई नहीं की गई है। हालांकि घटना ने मेले की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस गश्त को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

वायरल वीडियो पर स्थितिः सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, लेकिन हिंदुस्तान समाचार पत्र इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। जब मेले में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ रही है, तो क्या सुरक्षा व्यवस्था इतनी कमजोर है कि मामूली विवाद भी बड़ा बवाल बन जाए? प्रशासन को ऐसे आयोजनों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

नजीबाबाद गैस की समस्या को लेकर संगीता जैन अग्रवाल को ज्ञापन सोपा

संगीता जैनअग्रवाल ने तुरंत संज्ञान में लेकर बिजनौर जिलाधिकारीसे संपर्क किया समस्या से जल्दी निजात मिलने का आश्वासन दिया

दैनिक बुलंद मंजिल उपेंद्र सिंह

नजीबाबाद में हो रही गैस की समस्या से जूझ रही महिलाओ को लेकर भाजपा निवर्तमान मंडल अध्यक्ष जुगनेश कुमार अल्पसंख्यक मोर्चा नेता शादाब अहमद व अन्य भाजपा कार्यकताओं ने राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश सरकार संगीता जैन अग्रवाल

के नजीबाबाद आगमन पर ज्ञापन सौंपा !

संगीता जैनअग्रवाल ने तुरंत संज्ञान लेकर जिलाधिकारी बिजनौर से संपर्क किया जिस पर जिलाधिकारी महोदया ने समस्या से जल्दी निजात मिलने का आश्वासन दिया।।

स्योहारा-धामपुर मार्ग पर भीषण हादसा, ससुर-पुत्रवधू की मौत, दो बच्चे घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

स्योहारा। स्योहारा-धामपुर मार्ग पर ग्राम चंचलपुर के पास मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे मालवाहक टाटा मैजिक वाहन और बाइक की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो मासूम बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव सरकथल सानी निवासी कैलाश सिंह (55) अपनी पुत्रवधू सरोज उर्फ गुड़िया (35) पत्नी नंदकिशोर, पौत्र अर्पित (9) तथा वासु (5) के साथ बाइक से स्योहारा क्षेत्र के गांव अमीनाबाद में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक ग्राम चंचलपुर के पास पहुंची, तभी टाटा मैजिक वाहन से टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा ओवरटेक के दौरान हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टाटा मैजिक वाहन अनियंत्रित होकर एक कार से जा टकराया और सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल कैलाश सिंह और सरोज उर्फ गुड़िया को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें मुरादाबाद रेफर किया गया। उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। घायल अर्पित आईसीयू में भर्ती है, जबकि वासु का उपचार जारी है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। इस मामले में मृतक कैलाश सिंह के भाई ज्ञानचंद की तहरीर पर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि आरोपी चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा वाहन को कब्जे में ले लिया गया है।

विध्या टेलीलिंक लिमिटेड द्वारा भीषण गर्मी में राहगीरों व श्रमिकों को बांटा गया ठंडा पेयजल

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर/नजीबाबाद। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत विध्या टेलीलिंक लिमिटेड द्वारा राहगीरों एवं श्रमिकों के लिए ठंडा पेयजल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को हीट स्ट्रेस से बचाव के प्रति जागरूक करना तथा ह्यसेफ्टी फर्स्टह्न का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय बताए और नियमित रूप से पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी। साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के महत्व पर भी जोर दिया गया।

इस अवसर पर कंपनी के सुरक्षा अधिकारी शाने अब्बास, प्रबंधक कौशल सिंह, सीनियर जीएम संजय हंडू, नरपाल कुमार, नीरज, कृष्णानंद तथा साइट इंजीनियर छतरपाल सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया और लोगों को स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

चांदपुर तहसील में तैनात बाबू ने खुद को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

इंद्रलोक कॉलोनी निवासी संजीव चौधरी का आत्मघाती कदम–

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। तहसील में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब तहसील कार्यालय में बाबू (नायब नाजिर) के पद पर तैनात 50 वर्षीय संजीव चौधरी उर्फ महावीर ने खुद को गोली मार ली। घटना के बाद पूरे तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कर्मचारी व स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए।

मिली जानकारी के अनुसार, संजीव चौधरी ने अपने आवास, इंद्रलोक कॉलोनी (शहर कोतवाली क्षेत्र) में लाइसेंसी पिस्टल को अपने कान (कनपटी) से सटाकर सिर में गोली मार ली। गोली लगने के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार को उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

घटना से तहसील परिसर में मचा हड़कंप

जैसे ही घटना की जानकारी तहसील चांदपुर पहुंची, कर्मचारियों और अधिकारियों में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग इस घटना को लेकर चर्चा करते नजर आए। प्रशासनिक महकमे में भी इस घटना से हलचल तेज हो गई।

सुसाइड नोट से जुड़े संकेत

पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें कथित रूप से पारिवारिक/घरेलू विवाद को इस आत्मघाती कदम का कारण बताया गया है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

लाइसेंसी हथियार बरामद

पुलिस ने मौके से 12 बोर की डबल बैरल बंदूक और 32 बोर की पिस्टल बरामद की है। मामले में हथियारों के उपयोग और घटना की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है।

पहले भी कर चुके थे आत्मघाती प्रयास

सूत्रों के अनुसार, संजीव चौधरी पूर्व में जिलाधिकारी कार्यालय में पेशकार के पद पर भी कार्य कर चुके थे। करीब 5झ6 वर्ष पूर्व उन्होंने तनाव के चलते अपने पैर में गोली मार ली थी। इस बार का कदम घातक साबित हुआ।

पुलिस जांच में जुटी, चचाओं का बाजार गर्म

घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं, लेकिन वास्तविक कारणों का खुलासा अभी नहीं हो पाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों और सहकर्मियों से पूछताछ की जा रही है तथा सुसाइड नोट की भी जांच की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। यह घटना न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि बढ़ते मानसिक दबाव और पारिवारिक तनाव किस हद तक गंभीर परिणाम दे सकते हैं।

तेज धूप व लू ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ स्नेही ने जारी की शासन से प्राप्त विशेष एडवाइजरी

तापमान 44.0 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना, बचाव के उपायों को अपनाने की अपील

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

स्योहारा। गर्मी का मौसम अपने चरम पर पहुँच चुका है। सूर्य की तपिश ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। इस भीषण गर्मी को देखते हुए सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ 0बी 0के0 स्नेही ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इसके साथ ही लू से बचाव के लिए शासन से प्राप्त एक एडवाइजरी भी जारी की गई है, जिसमें गर्मी से बचने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। हालांकि बुधवार को मौसम में आए परिवर्तन में तापमान सुबह से कम रहा लेकिन दोपहर में तेज रहा चला जिससे लोगों का बुरा हाल था। गर्मी व लू से बचने के लिए लोग अपने घरों से छाता लेकर निकलें, सूरज का तेवर तेज होने के कारण लोगों को धूप में खड़ा होना मुश्किल हो रहा था। दिन जैसे-जैसे चढ़ता गया, वैसे-वैसे गर्मी बढ़ती गई। दोपहर में लोगों का अपने घर से निकलना दूभर हो गया, तपिश व लू के चलने से लोगों का चेहरा झुलस रहा था। लिहाजा लोग दोपहर में जरूरी काम से छाता लगाकर अपने घरों से निकलें। बच्चे भी अपने स्कूलों से छाते की छाया में आते नजर आए। शाम को सूरज छुप जाने से गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस वार मई में 44.0 डिग्री से 45.0 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहने की साथ लू चलने के आसार हैं।

लू लगने के लक्षण

व्यक्ति की त्वचा का गर्म, लाल, शुष्क होना, पसीना न आना

तेज पल्स होना, उल्टे सांस गति में तेजी व व्यवहार में परिवर्तन और भ्रम की स्थिति

* सिरदर्द, मिचली, थकान, कमजोरी का होना या चक्कर आना।
* मूत्र न होना अथवा इसमें कमी

लू की वजह से व्यक्ति के शरीर पर होने वाले प्रभाव

* उच्च तापमान से शरीर के आंतरिक अंगों, विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाना है तथा इससे शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न हो जाता है।
* मनुष्य के हृदय के कार्य पर प्रतिकूल पभाव उत्पन्न होता है।
* जो लोग एक या दो घंटे से अधिक समय तक अधिक तापमान अथवा गर्म हवा में रहते हैं, तो उनके मस्तिष्क में क्षति होने की संभावना प्रबल हो जाती है।

लू से बचने के लिए ये करें

* अधिक से अधिक पानी पिएं, भले ही प्यास न लगे। यह शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारियों से बचाने में मद्द करेगा।
* हल्के रंग के, पसीना सोखने वाले कपड़े पहनें।
* घूप में निकलते समय गमछा, चश्मा, छाता, टोपी और चप्पल का उपयोग करें।
* यदि आप खुले में काम करते हैं, तो सिर, चेहरा और हाथ-पैरों को गीले कपडे. से ढ़के और छाता का प्रयोग करें।
* लू से प्रभावित व्यक्ति को छांव में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोछें या नहलाएं और चिकित्सक से संपर्क करें।
* यात्रा करते समय पीने का पानी अवश्य साथ रखें और गीले कपड़े को चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें।
* शराब, चाय, काफी जैसे पेय पदार्थों से बचें, क्योकि ये शरीर को निर्जलित कर सकते हैं।
* घर मे बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी, नीबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें, जिससे शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके।
* यदि तबीयत ठीक न लगे, तो गर्मी से उत्पन्न होने विकारों को पहचानें और किसी भी प्रकार की तकलीफ होने पर तुरन्त चिकित्सीय परामर्श लें।
* गर्मी संग लू से बचने के लिए अपने घरों से छाता लेकर निकले। सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ0 स्नेही

ने ब्लॉक स्योहारा की जनता से अपील किया है कि आप लोग शासन से प्राप्त विशेष एडवाइजरी का पालन करे। शुद्ध पानी पिए। शुद्ध खाना खाए।बासी खाना बिल्कुल न खाए। कटे फटे ओर खराब फल बिल्कुल नहीं खाए ताजे फलों का उपयोग करे।किसी भी तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर सीएचसी स्योहारा में आकर परामर्श ले सकते है। सीएचसी स्योहारा में हीट वेव संबंधी रोगों के लिए 5 बेड अलग से आरक्षित किए गए हैं।

चोरी की बाइक समेत आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना। चोरी हुई मोटरसाइकिल के मामले पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई बाइक भी बरामद कर ली है। जानकारी के अनुसार, रविवार को आजाद नगर कॉलोनी लाइनपार निवासी दिलावर सिंह सैनी ने अपनी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल चोरी होने की तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी।पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।जांच के दौरान प्रकाश में आए आरोपी शिवम कुमार निवासी लाल सराय,को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर आरोपी को जेल भेज दिया।

A Waste Tipping Point

Shrotik Bose

The global waste crisis is no longer a slow-building challenge; it is advancing faster than recent forecasts anticipated. The latest What a Waste 3.0 report by the World Bank shows that waste generation has already surpassed earlier projections, signalling a sharper and more immediate escalation than previously perceived.

The earlier 2018 report, based on 2016 data, projected 3.40 billion tonnes of waste by 2050. Updated estimates, using 2022 as the baseline, now place this figure at 3.86 billion tonnes. While the percentage growth to 2050 appears lower, the absolute volume is significantly higher, intensifying pressure on already stretched systems.

In 2022 alone, the world generated 2.56 billion tonnes of municipal solid waste, which is a milestone earlier models had anticipated only toward the end of the decade. If current trends continue, this will still translate into roughly a 50 per cent increase by 2050. Waste systems already under stress are being forced to respond to a crisis accelerating ahead of schedule, leaving little room for gradual adaptation.

> The geography of waste is also shifting in a way that places the greatest pressure on regions least equipped to respond. While high-income countries continue to generate more waste per capita, the fastest growth is concentrated in the Global South, where infrastructure, financing and governance systems remain uneven.

Where the crisis is shifting

What a Waste 3.0 marks a shift not just in numbers but in how the waste challenge is framed. While What a Waste 2.0 focused primarily on volumes, the new report adopts a systems and circularity lens, incorporating scenario-based modelling for emissions, plastic lifecycle and leakage analysis, and GDP-level economic framing instead of just municipal budgets. It also expands from a static global snapshot to a dynamic, scenario-driven dataset, reflecting a more complex and interconnected understanding of the waste crisis. The geography of waste is also shifting in a way that places the greatest pressure on regions least equipped to respond. While high-income countries continue to generate more waste per capita, the fastest growth is concentrated in the Global South, where infrastructure, financing and governance systems remain uneven. Sub-Saharan Africa is projected to see waste volumes grow by 124 per cent, while South Asia is expected to nearly double its waste generation (99 per cent) by 2050. Rapid urbanisation, rising incomes and changing consumption patterns are driving this growth, but without a parallel expansion of waste management systems.

The result is a widening gap between waste generation and system capacity. India sits at the centre of this transition. Over the past decade, cities have expanded collection coverage and processing infrastructure under the Swachh Bharat Mission (SBM), the world's largest sanitation initiative. Yet the pace of urbanisation, particularly in peri-urban areas and smaller towns. continues to outstrip infrastructure gains.

At the same time, waste composition is changing. The growing share of low-value, multilayered plastic packaging, which is difficult to recycle and often escapes formal systems, adds complexity to already strained urban waste management, turning what was once a scale challenge into a combined problem of scale, composition and capacity.

Real faultline: Collection, not generation

The most critical divide in global waste management is not how much waste is generated, but how much is actually collected. High-income countries have achieved near-universal collection, ensuring waste enters controlled systems. In low-income countries, only 28 per cent of waste is collected, with coverage dropping sharply outside urban centres. Globally, around 30 per cent of waste is either uncollected or openly dumped. This is where the crisis becomes visible and dangerous. Uncollected waste is burned, dumped in open areas, or washed into rivers and drains. In India, claims of 100 per cent door-to-door collection often mask ground realities, reflected in clogged drainage systems, seasonal flooding and expanding illicit dumping sites.

Policy focus has often been on downstream solutions such as processing plants, waste-to-energy facilities and recycling targets. But without universal collection, no system can function effectively.

(Courtesy: DTE)

From Babylon to Bharat: A Century of 'Pehle Aap' for Your Future

Sanjeev Kalra

(A retired IPS officer. He has been following mutual funds for the last 15 years. In this column, he will talk about his favourite mutual funds. His email is : sanjeevkalra1@yahoo.com)

Exactly one hundred years ago, a series of short stories titled The Richest Man in Babylon changed the way the world looked at a paycheck. Its core message was revolutionary in its simplicity: "A part of all you earn is yours to keep." In India, we are raised with a deep culture of Bachat (saving), yet we often treat it as an afterthought—saving whatever is left at the end of the month after everyone else, from the landlord to the local kirana store, has been paid.

The Failed Mapmaker's Masterpiece

The author, George S. Clason, wasn't a banker; he was a mapmaker by profession. Although his successful map publishing business was later destroyed by the Great Depression, between 1920 and 1924 he began writing small lessons set in ancient Babylon—a city he admired because it became the wealthiest in the world through human grit rather than natural resources. These lessons were originally published as individual pamphlets distributed by banks. They became so popular that in 1926, they were compiled into the book we read today. Clason used a setting from 4,000 years ago to show that while technology changes, the "laws of money" are as unchanging as gravity.

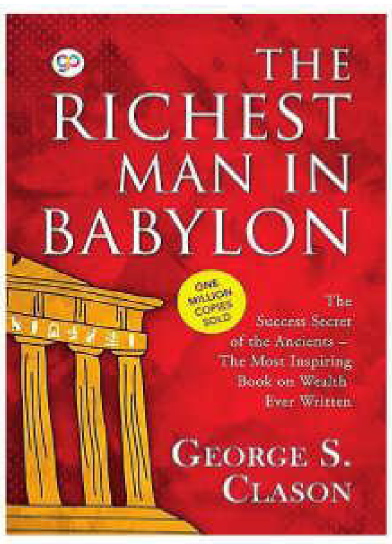

Don't wait for the 'perfect' time. Start today:

- **Set the Date:** Move your investment date to the 1st of the month.
- **The 10% Rule:** If 10% feels high, start with 1%. The habit is more important than the amount.
- **Automate:** Don't trust your willpower; trust a standing instruction.
- **The rule is simple:** Be the first person in line on payday.

- **The Ancient Way:** Stashing gold or cash in a steel dabba.
- **The Babylon Way:** Ensuring 1/10th of your "harvest" is put to work carefully.
- **The Modern Indian Way:** An automated "Wealth SIP" that deducts on the 1st of the month, ensuring your future self is never "adjusting" at month-end.

The 100-Year Wisdom: 'Pehle Aap' This philosophy flips the traditional script. It suggests that you are your most important creditor. Before you pay your bills, you must "pay yourself." This isn't about greed; it's about "Aatmanirbharta" (self-reliance). By setting aside 10% before a single rupee is spent, you aren't just saving money; you are buying your future freedom.

Why It Resonates in India Today

As we transition from a nation of traditional savers to a nation of modern investors, the "Pay Yourself First" rule has found a perfect home in the SIP (Systematic Investment Plan).

Your Centenary Action Plan

As we mark a century of this golden rule, the goal remains the same. Whether you call it "Paying Yourself First" or "Apni Kamai, Pehle Apni Padhai", the logic holds firm.

Large carbon Deposits on Mars

Research from NASA's Curiosity rover has found evidence of a carbon cycle on ancient Mars, bringing scientists closer to an answer on whether the Red Planet was ever capable of supporting life.

Lead author Dr. Ben Tutolo, an associate professor with the Department of Earth, Energy and Environment in the Faculty of Science at the University of Calgary, is a participating scientist on the NASA Mars Science Laboratory Curiosity Rover team.

The team is working to understand climate transitions and habitability on ancient Mars as Curiosity explores Gale Crater.

The paper, published this week in the journal Science, reveals that data from three of Curiosity's drill sites had siderite, an iron carbonate material, within sulfate-rich layers of Mount Sharp in Gale Crater.

"The discovery of large carbon deposits in Gale Crater represents both a surprising and important breakthrough in our understanding of the geologic and atmospheric evolution of Mars," says Tutolo.

Reaching the strata, he says, was a long-term goal of the Mars Science Laboratory mission.

"The abundance of highly soluble salts in these rocks and similar deposits mapped over much of Mars has been used as evidence of the 'great drying' of Mars during its dramatic shift from a warm and wet early Mars to its current, cold and dry state," says Tutolo.

Sedimentary carbonate has long been predicted to have formed under the CO2-rich ancient Martian atmosphere, but Tutolo says identifications had previously been sparse.

NASA's Curiosity rover landed on Mars on August 5, 2012, and has travelled more than 34 kilometres on the Martian surface.

The discovery of carbonate suggests that the atmosphere contained enough carbon dioxide to support liquid water existing on the planet's surface. As the atmosphere thinned, the carbon dioxide transformed into rock form.

NASA says future missions and analysis of other sulfate-rich areas on Mars could confirm the findings and help to better understand the planet's early history and how it transformed as its atmosphere was lost.

Tutolo says scientists are ultimately trying to determine whether Mars was ever capable of supporting life -- and the latest paper brings them closer to an answer.

"It tells us that the planet was habitable and that the models for habitability are correct," he says.

"The broader implications are the planet was habitable up until this time, but then, as the CO2 that had been warming the planet started to precipitate as siderite, it likely impacted Mars' ability to stay warm.

The question looking forward is how much of this CO2 from the atmosphere was actually sequestered? Was that potentially a reason we began to lose habitability?" added Tutolo.

Using Data To Address Malnutrition

Prof. Lindsay Jaacks

Professor, Global Health & Nutrition, University of Edinburgh

Many of us are used to our doctors entering information into electronic health records. Increasingly, we expect that these data will help track our health over time, flag risks early,

and guide timely action. Digital systems work best not merely because they collect data, but because they help translate information into decisions and improved care.

Since its launch by the Ministry of Women and Child Development in 2021, the Poshan Tracker app has sought to make nutrition service delivery data more actionable. Its ambition is not simply digitisation, but to bring greater seriousness and consistency to how child growth and nutrition services are recorded and reviewed.

The Poshan Tracker has the potential to translate routinely collected growth data into meaningful decisions at the last mile. Monthly growth monitoring—if measured correctly and

recorded consistently—can provide early signals of risk. A single, persistent electronic record can help link growth trends with supplementary nutrition through take-home rations, caregiver counselling, and referral of children with acute malnutrition to health centers.

To move in this direction, we need to shift from dashboards to decisions, and from counting to care. Built-in nudges, simple checklists, and alerts could support Anganwadi Workers in following up with children vulnerable to wasting or severe acute malnutrition. Integration with data from the Ministry of Health and Family Welfare and RCH 2.0 portal could further strengthen referral follow-up through coordinated home visits.

At present, the growth data collected provides a valuable starting point. With focused improvements in measurement practices and system support, it can reliably inform timely decision-making. Accurate decisions depend on getting the basics right—reliable measurements, correct techniques, and functional equipment. If a child's height or weight

changes implausibly from one month to the next, the system should prompt verification or a repeat measurement. Short micro-videos embedded in the app can reinforce correct use of weighing scales and length boards at the point of care. Equally important is ensuring that every Anganwadi Centre has calibrated and functional equipment. These fundamentals are essential for strengthening the usefulness of growth monitoring data.

An analysis of Poshan Tracker data could also support a shift from dashboards to decisions. First, we need to know when wasting is most likely to occur—at what age and during what months of the year. Is it at birth? Or are 0 to 3 months or 3 to 6 months key, when mothers are still being encouraged to exclusively breastfeed? Or is it at 6 months to 1 year, when adequate, appropriate and safe complementary feeding is required?

Analyses of Poshan Tracker data could also help us understand more about the children who recover from wasting. Are children in certain districts more likely to recover? Are children more likely to recover during kharif harvest months? Likewise, such analyses could

tell us more about the children who are repeatedly or persistently experiencing wasting throughout their childhood. Are they children who were born wasted and didn't quite manage to catch up? Are they children who aren't receiving take-home rations regularly? With this information in hand, local level nutrition service delivery can be improved.

Improving trust in the data will also be central to easing the workload of frontline workers. As confidence in the system grows, more Anganwadi Workers are beginning to use the app as a primary record. In many settings, however, paper registers continue to be maintained alongside digital entry, often as a safeguard against connectivity constraints or compliance requirements. Strengthening offline functionality, improving data reliability, and providing clarity on digital-first workflows can help accelerate the transition toward point-of-service data entry and reduce the need for duplicative reporting. Engaging frontline workers in refining the system can help ensure that the app supports their work.

The Poshan Tracker is a reliable tool to support timely and informed decision-making. Its real strength lies in enabling early identification of risk, faster follow-up and improved coordination of nutrition services. Designed for the realities of the last mile and strengthened through continuous improvements in data quality and use, the Poshan Tracker is not just a monitoring tool but a meaningful instrument for strengthening nutrition service delivery.

DILJIT DOSANJH gets Jimmy Fallon grooving to 'Morni'

Punjabi sensation Diljit Dosanjh turned 'The Tonight Show' into a full celebration as he made the host Jimmy Fallon do bhangra on his track "Morni".

In a collaboration post on the photo-sharing website Instagram, the two are seen matching steps as they grooved on the tack "Morni" sung by Diljit. The music is by Tru-Skool and its lyrics are penned by Channi Nattan.

"@diljitdosanjh brings AURA to Studio 6B #FallonTonight #DiljitOnFallon," the caption mentioned by the official handle of the "Tonight Show". The caption mentioned that Diljit is bringing his new album Aura to the studio. The album features songs like Senorita, Kufar, You & Me, Charmer, Ban, Balle Balle, Gunda, Mahiya, Broken Soul, and God Bless.

On the acting front, Diljit currently awaits the release of his film Main Vaapas Aaunga. The film is set in Imtiaz Ali's evocative world of love and longing, starring Diljit Dosanjh, Naseeruddin Shah, Sharvari Wagh and Vedang Raina in pivotal roles.

Produced by Sameer Nair and Deepak Segal of Applause Entertainment and Mohit Choudhary and Shibasish Sarkar of Window Seat Films, the film releases in cinemas on June 12.

On April 18, the makers of the film unveiled the track 'Kya Kamaal Hai', which celebrates hope amid challenging times.

At that time, the actor spoke about working with Oscar-winning composer AR Rahman and shared that it doesn't feel like work, as he calls it an honour.

Diljit said in a statement: "'Kya Kamal Hai' is very close to my heart. There's a certain honesty in this song... it makes you pause and just feel, without trying too hard. Working with Imtiaz Ali Sir is always special because his world feels real, nothing forced, nothing superficial."

"With A. R. Rahman sir, it doesn't feel like work... it's an honour to be working with someone as legendary as him. And Irshad Kamil bhai's words... they come straight from the heart and land there."

Riddhima Kapoor Sahni shares the acting tip from Ranbir Kapoor she swears by

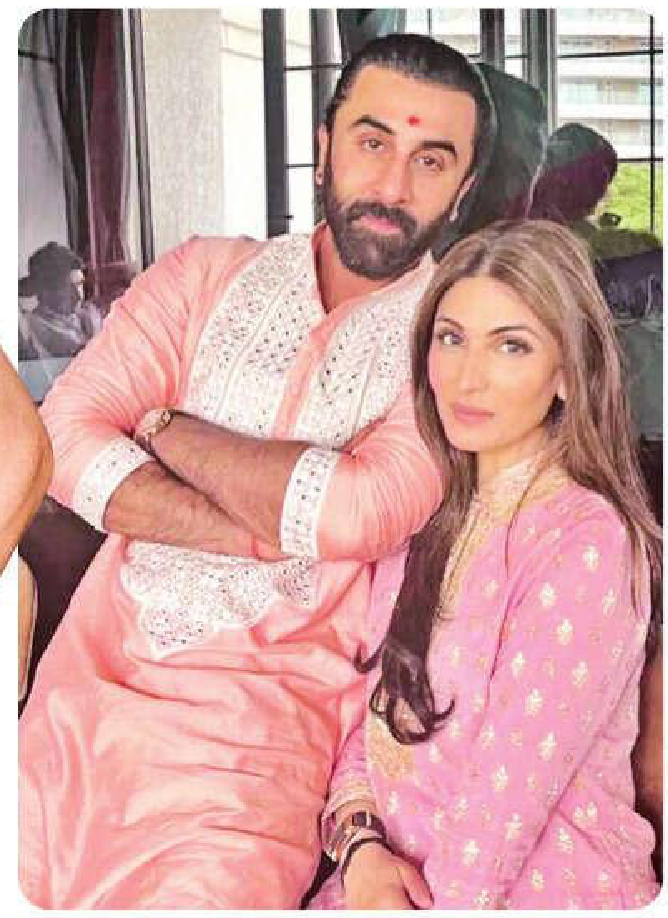

Riddhima Kapoor Sahni, who is set to make her acting debut with the upcoming film 'Daadi Ki Shaadi', has shared the advice that she received from her brother, Bollywood superstar Ranbir Kapoor.

The film also stars Kapil Sharma and Neetu Kapoor. Riddhima will be seen in a pivotal role as Neetu Kapoor's daughter.

Ahead of the film's release, the actress revealed that she received important advice from Ranbir, as she said, "I spoke to Ranbir before starting. His biggest advice was to stay honest in front of the camera. He told me to trust my instincts and just live the character rather than perform it, and that really stayed with me".

The film revolves around second chances and relations hips. A glimpse of which the audience saw in the recently released song, 'Suno Naa Dil'. While everyone is eager to see Kapil Sharma and Neetu Kapoor in action, everyone is also excited to see She will be seen adding a unique layer to the emotional family dynamics, keeping people hooked. Riddhima is a fashion designer and entrepreneur. She chose not to pursue acting and instead built a career in luxury jewelry design. But, it seems like the acting DNA is finally manifesting itself. She is known for her graceful public image and private lifestyle, and often represents a balance between Bollywood legacy and independent entrepreneurship.

Meanwhile, produced by Rtake Studios, BeingU Studios and Shimla Talkies, 'Daadi Ki Shaadi' is written and directed by Ashish R Mohan. The music has been released under the label of Warner Music India and is now available on all major streaming platforms. 'Daadi Ki Shaadi' is set to bow in cinemas on May 8, 2026.

Divyanka Tripathi and Neha Marda groove to 'Kabhi Aar Kabhi Paar' with baby bumps

Television actresses Neha Marda and mommy to-be Divyanka Tripathi recently delighted their fans with a fun and heartwarming dance video.

Neha shared the video on her social media account wherein both the gorgeous two were seen dancing. In the clip posted, Divyanka and Neha are seen grooving to the remix version of 'Kabhi Aar Kabhi Paar Laaga Teere Nazar'.

Both the actresses were seen seated, yet were enthusiastically matching steps and enjoying the moment.

Divyanka, who is currently heavily pregnant, looked adorable in a baby pink kurti as she happily flaunted her baby bump while dancing.

A few days ago, Neha had gifted Divyanka a statue of Lord Krishna as she met her for seemingly a professional collaboration.

For the uninitiated, Divyanka Tripathi Dahiya who is due in June had announcer pregnancy on the 19th of March on the occasion of Gudi Padwa.

The actress along with her actor husband Vivek Dahiya had shared the post on their social media account in a joint collaboration announcing the good news with their fans.

Sharing the pictures, Divyanka wrote in the caption, "Plot twist after 10 years Some journeys are not about rushing... They're about becoming ready – together. And just when you think your story is complete... life adds the most beautiful chapter. Still soaking it in... still smiling for no reason... With our hearts full of gratitude – We are expecting #DivekLoveUpgraded."

Adah Sharma: I feel a political drama is like making 'chai'

Actress Adah Sharma, who will be seen in the upcoming political drama "Governor" starring National Award-winning star Manoj Bajpayee, has talked about her take on the responsibility that comes with the genre. Adah likened political dramas to a cup of "chai" (tea), here everyone has their own opinion. Asked how she personally views the responsibility of being part of such a political drama narrative, Adah told that "I feel a political drama is like making chai... everyone has an opinion on how it should be made."

The actress understands her responsibility."My responsibility is to do my job honestly and look convincing. I think stories have power. But I also believe audiences are smart...they don't need me to tell them what to think, they'll decide while eating popcorn."

The story is inspired by a real former governor who passed away recently, and the film carries a strong "national crisis" theme.

The film is reportedly inspired by S. Venkitaramanan, who served as RBI Governor during India's 1991 economic crisis and was closely associated with the country's financial rescue period.

Ranveer Singh goes into protective mode for mom-to-be Deepika Padukone at airport

Bollywood star and the current obsession of nation, Ranveer Singh was seen being protective and very attentive towards his superstar wife and mommy-to-be Deepika Padukone as the couple was spotted at the airport late at night on the 28th of April.

In the video, Ranveer is seen closely walking alongside Deepika, escorting her to the airport security check-in. The actor was seen maintaining a watchful eye on his wife, subtly guiding her as they made their way inside the airport.

Deepika opted for a relaxed yet chic look, dressed in an oversized royal blue outfit paired with night glares, while Ranveer sported a casual ensemble. As soon as the power couple arrived, onlookers at the airport were seen visibly excited, gathered around and quickly started to record the Ranveer and Deepika.

Their daughter Dua was not seen accompanying them during this outing.

For the uninitiated, on April 19, Deepika Padukone and Ranveer Singh had taken to their social media accounts to announce their second pregnancy.

The couple in a joint post had taken to their respective social media accounts and published a cute pic of her daughter Dua holding a positive pregnancy test.

For the uninitiated, Deepika and Ranveer are already parents to their little girl Dua whom they welcomed on September 8, 2024.

Talking about Deepika and Ranveer's love story, it began on the set of Sanjay Leela Bhansali's "Goliyon Ki Raasleela Ram-Leela".

After keeping their admirers guessing for a long time, the couple tied the knot on November 14 and 15, 2018, in a stunning ceremony at Italy's Lake Como.

The couple have shared screen space in many more movies such as, 'Bajiroa Mastani', 'Padmaavat' and '83'.

संक्षिप्त समाचार

रुपया 24 पैसे टूटकर 94.39 डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 24 पैसे टूटकर 94.39 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और महीने के अंत में डॉलर की मांग में बढ़ोतरी से रुपये पर दबाव बना रहा। साथ ही सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान भी देखने को मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि ब्रेंट तेल की कीमत 109 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से भी निवेशकों का मनाबेल कमजोर हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.35 पर खुला। फिर और टूटकर शुरुआती कारोबार में 94.39 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.15 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 98.49 पर रहा।

भारत-अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने की राजस्थान चैप्टर की शुरुआत

नई दिल्ली। भारत-अमेरिकी वाणिज्य मंडल (आईएसीसी) ने अपने राजस्थान चैप्टर की शुरुआत की है, जो राज्य स्तर पर भारत-अमेरिका व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक विस्तार है। आईएसीसी की मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उम्मीद जतायी गयी है कि यह चैप्टर सीमा पार साझेदारी को सुविधाजनक बनाने, नीतिगत संवाद को बढ़ाने और भारतीय तथा अमेरिकी व्यवसायों के बीच क्षेत्र-विशिष्ट के लिए सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। अमेरिकी दूतावास में वाणिज्यिक मामलों के सलाहकार जोनाथन हेइमर ने कहा कि विकसित होती भारत-अमेरिका साझेदारी वैश्विक आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होगी। 'दुनिया का भविष्य काफी हद तक अमेरिका और भारत के बीच की साझेदारी पर निर्भर करेगा।

क्रेडिट कार्ड : मार्च में लेनदेन 24% बढ़कर 2194 अरब रुपए हुआ

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल और क्रेडिट लेनदेन के मोर्चे पर मार्च का महीना शानदार रहा है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में क्रेडिट कार्ड से होने वाले खर्च में मासिक आधार पर 24 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई है। इस उछाल के साथ ही देश में कुल क्रेडिट कार्ड स्पेंडिंग 2,194 अरब रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, इस शानदार आंकड़े के पीछे की तस्वीर कुछ अलग है। विश्लेषकों का मानना है कि यह उछाल मुख्य रूप से मौसमी कारकों और 'लो-बेस इफेक्ट' का परिणाम है, जबकि मूल रुझान देश में खपत वृद्धि के सामान्य होने का संकेत दे रहे हैं।

आरबीआई का झटका : अप्रैल 2027 से लागू होंगे नए ईसीएल नॉर्म्स

पीएसयू बैंकों के शेयर टूटे, निवेशकों में बढ़ी टेंशन

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक अहम फैसले के बाद सार्वजनिक क्षेत्र (पीएसयू) के बैंकों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। 28 अप्रैल को केनरा बैंक, यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे बैंकों के शेयर करीब 2.5% तक टूट गए। यह गिरावट आरबीआई द्वारा एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) आधारित प्रोविजनिंग सिस्टम को लागू करने के फैसले के बाद आई है। बैंकों ने इस नए सिस्टम को लागू करने के लिए और समय मांगा था, लेकिन आरबीआई ने इसे अस्वीकार कर दिया। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा। इस फैसले के बाद निवेशकों में चिंता बढ़ गई है। बाजार को लग रहा है कि इससे बैंकों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है। इसी वजह से बैंकिंग सेक्टर में बिकवाली देखने को मिली।

क्या है ईसीएल सिस्टम और क्यों है अहम?

ईसीएल (एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस) एक नया प्रोविजनिंग मॉडल है, जो मौजूदा सिस्टम से अलग है। अभी तक बैंक तब प्रावधान बनाते हैं जब नुकसान हो जाता है। लेकिन ईसीएल मॉडल में बैंक संभावित नुकसान का अनुमान पहले ही लगाकर प्रावधान करेंगे। इसका मतलब है कि बैंकों को पहले से ज्यादा पैसा रिजर्व में रखना होगा। इससे उनकी बैलेंस शीट पर दबाव बढ़ सकता है। आरबीआई का मानना है कि यह सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बैंकिंग के लिए जरूरी है। हालांकि, बैंकों को इसके लिए अपने सिस्टम और डेटा मॉडल को अपग्रेड करना पड़ेगा।

बैंकों की चिंता और आरबीआई का रुख

बैंकों ने आरबीआई से कहा था कि उन्हें इस नए ढांचे को लागू करने के लिए ज्यादा समय चाहिए। उनका तर्क था कि उन्हें डेटा तैयार करने, मॉडल बनाने और टेक्नोलॉजी अपग्रेड करने में समय लगेगा। लेकिन आरबीआई ने यह मांग खारिज कर दी। आरबीआई ने कहा कि बैंकों को पहले ही एक साल का समय दिया जा चुका है। इस दौरान वे अपने सिस्टम को तैयार कर सकते हैं। हालांकि, आरबीआई ने कुछ राहत उपाय भी दिए हैं। जैसे कि ट्रांजिशन के दौरान पूंजी पर प्रभाव को कम करने के लिए चरणबद्ध व्यवस्था।

बाजार और बैंकिंग सेक्टर पर असर

आरबीआई के इस फैसले का असर तुरंत बाजार में दिखा। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स करीब 1.1% गिरकर 8,757 के स्तर पर आ गया। वहीं निफ्टी बैंक इंडेक्स भी लगभग 0.5% नीचे रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि नए नियमों से बैंकों को ज्यादा प्रोविजनिंग करनी पड़ेगी। इससे उनकी कमाई पर असर पड़ सकता है। मैक्वेरी जैसी एजेंसियों का कहना है कि पीएसयू बैंकों पर इसका प्रभाव ज्यादा होगा। क्योंकि उनके पास जोखिम वाले लोन ज्यादा होते हैं। आरबीआई ने एनपीए (नॉन परफार्मिंग एसेट्स) को हटाने या बदलने की मांग भी खारिज कर दी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि एनपीए एक स्थापित और पारदर्शी प्रणाली है। इसे सभी हितधारक अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए इसे हटाना संभव नहीं है।

बैंकिंग-आईटी शेयरों पर रहा बिकवाली का दबाव, लुढ़के प्रमुख सूचकांक

मुंबई

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बैंकिंग और आईटी सेक्टरों में बिकवाली के दबाव में प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 416.72 अंक (0.54 प्रतिशत) गिरकर 76,886 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 97 अंक यानी 0.40 फीसदी नीचे 23,995.70 अंक पर बंद हुआ। डॉलर की तुलना में रुपये में 40 पैसे से ज्यादा की गिरावट से भी निवेश धारणा प्रभावित हुई है। बड़ी कंपनियों के विपरीत छोटी और मझौली कंपनियों के सूचकांकों में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.26 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.42 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

बैंकिंग, वित्त, आईटी और ऑटो सेक्टरों पर सबसे अधिक दबाव देखा गया। तेल एवं गैस, धातु और रसायन समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंडिगो और मारुति सुजुकी के शेयर ढाई फीसदी से अधिक लुढ़क गये। भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनीलिवर और अल्ट्राटेक सीमेंट में डेढ़ से दो प्रतिशत तक की गिरावट रही। इंफोसिस और एशियन पेंट्स के शेयर एक से डेढ़ प्रतिशत तक टूटे। एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, पावरग्रिड, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन के शेयर भी लाल निशान में रहे। रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल में डेढ़ प्रतिशत के आसपास तेजी रही। टेक महिंद्रा, सन फार्मा, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी ऊपर रहे।

मार्च में 4.1 फीसदी बढ़ा औद्योगिक उत्पादन

नई दिल्ली

वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू खनन सेक्टर के अच्छे प्रदर्शन से मार्च में देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 4.1 प्रतिशत बढ़ा जो पांच महीने में सबसे कम है। यह अक्टूबर 2025 के बाद की सबसे सुस्त वृद्धि है। इस साल फरवरी में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 5.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी के 5.9 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत

और बिजली क्षेत्र की 2.3 प्रतिशत से घटकर 0.8 प्रतिशत रह गयी। हालांकि खनन क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी की 3.1 फीसदी की तुलना में मार्च में 5.5 फीसदी हो गयी।

पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भी औद्योगिक उत्पादन में 4.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी। इसमें मुख्य योगदान विनिर्माण सेक्टर का रहा जिसका उत्पादन पांच प्रतिशत बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा 4.1 प्रतिशत रहा था।पूरे साल में खनन क्षेत्र की वृद्धि दर एक साल पहले के तीन प्रतिशत से घटकर 1.4 प्रतिशत और बिजली क्षेत्र की 5.2 प्रतिशत से घटकर एक प्रतिशत रह गयी। औद्योगिक उत्पादन में विनिर्माण का भारांश 77.63 प्रतिशत है, खनन का 14.37 प्रतिशत और बिजली का 7.99 प्रतिशत है। विनिर्माण के 23 उद्योग समूहों में से मार्च में 14 में उत्पादन बढ़ा है।

मदर डेयरी पेश करेगा 30 से अधिक नए उत्पाद

एजेंसी नई दिल्ली

मदर डेयरी ने इस बार गर्मी के सीजन में 30 से अधिक नए उत्पाद बाजार में उतारने की मंगलवार को घोषणा की और कहा कि इससे उससे प्रमुख श्रेणियों में कारोबार 30 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है।

कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन मूल्य-वर्द्धित उत्पादों को पूरे सीजन के दौरान चरणबद्ध तरीके से बाजार में उतारा जायेगा। इंडल्जेंस, सेहत, सुविधा और क्षेत्रीय पसंद जैसे प्रमुख पहलुओं पर आधारित ये उत्पाद हर उम्र के उपभोक्ताओं

और बदलती जीवनशैली के लिए विविध और आकर्षक विकल्प पेश करते हैं।

आइसक्रीम सेगमेंट में ब्रांड लगभग 20 नये उत्पाद ला रहा है। इनमें पहली बार टू-इन-वन मटका और टब फॉर्मेट, प्रीमियम क्राफ्टेड रेंज, तथा युवाओं को पसंद आने वाले फ्लेवर्स जैसे क्रीम चीज पिस्ता कोन और पिस्ता कुल्फी कसाटा शामिल हैं। इसके अलावा, गो-लो सब-ब्रांड के तहत कम कैलोरी वाली आइसक्रीम की नयी रेंज भी पेश की जा रही है, जो तीन स्वादिष्ट फ्लेवर्स - चोको आल्मंड, शाही मेवा और केसर पिस्ता टिल्ला कुल्फी - में उपलब्ध होगी। कंपनी अपने फ्रेश डेयरी पोर्टफोलियो में जामुन योगर्ट और भुना जीरा रायता जैसे उत्पाद ला रही है। नयी कैटेगरी श्रीखंड को पश्चिमी बाजारों के लिए तीन स्वादिष्ट फ्लेवर्स में पेश किया जायेगा और उत्तरी बाजारों के लिए मीठी दही पेश की जायेगी। कंपनी अपने यूएचटी दूध पोर्टफोलियो का भी विस्तार करेगी, जिसमें काउ मिल्क और स्टैंडर्डाइज़्ड मिल्क को जम्मू एवं कश्मीर जैसे बाजारों में पेश किया जायेगा, ताकि सुविधाजनक और लंबी शेल्फ-लाइफ वाले विकल्पों की बढ़ती मांग पूरी की जा सके। इसके अतिरिक्त, हाई-प्रोटीन 'प्रो' रेंज को प्रोकर्ड और प्रोपनीर - क्रमशः हाई-प्रोटीन दही और हाई-प्रोटीन पनीर - के साथ और मजबूत किया जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल के प्रीमियम वेरिएंट का मूल्य बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली

खाड़ी संकट की वजह से माना जा रहा है कि केंद्र सरकार अगले माह यानी मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल प्रीमियम वेरिएंट के पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब बाजार में ईंधन की कीमतों को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। सरकार ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए स्थिति स्पष्ट कर दी है।

प्रीमियम पेट्रोल और डीजल सामान्य ईंधन की तुलना में बेहतर गुणवत्ता और परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं। इनका उपयोग आमतौर पर उच्च क्षमता वाले वाहनों में किया जाता है। हालांकि

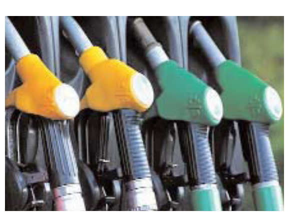

इनकी कीमत पहले से ही सामान्य ईंधन से अधिक होती है, इसलिए कीमत बढ़ने की आशंका उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय बन जाती है। सरकार के इस बयान से साफ हो गया है कि निकट भविष्य में इन प्रीमियम फ्यूल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं होने जा रही है। सरकार की इस घोषणा का सीधा असर बाजार और आम लोगों पर पड़ेगा। कीमतों में स्थिरता से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और परिवहन लागत में भी अचानक बढ़ोतरी नहीं होगी। इसके अलावा, इससे महंगाई पर भी नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलेगी।

पश्चिम एशिया तनाव के चलते सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

सोना 40 रुपए और चांदी 1000 रुपए से ज्यादा लुढ़की

नई दिल्ली

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजारों में मंगलवार को सोने और चांदी के भावों में नरमी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों बहुमूल्य धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले और खबर लिखे जाने तक इनमें और कमी दर्ज की गई। इस दौरान सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट 1,51,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 2,40,800 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना-चांदी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर सोने के जून वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत 21 रुपये की मामूली गिरावट के साथ

1,51,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। पिछले सत्र में यह 1,51,721 रुपये पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 40 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,681 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,51,802 रुपये का उच्च और 1,51,555 रुपये का निचला स्तर छुआ। वहीं चांदी के मई वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यह 1,334 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 2,40,490 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,41,824 रुपये था। वर्तमान में यह कॉन्ट्रैक्ट 1,019 रुपये की गिरावट के साथ 2,40,805 रुपये पर कारोबार कर रहा है। दिन में इसने 2,41,250 रुपये का उच्चतम और 2,40,490 रुपये का निम्नतम स्तर देखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव शुरुआत में तेजी के साथ खुले, लेकिन बाद में इनमें गिरावट आ गई। सोना 4,697.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 4,693.70 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 4.30 डॉलर की गिरावट के साथ 4,689.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव में रहे। कॉमेक्स पर चांदी 75.46 डॉलर प्रति औंस पर खुली।

विमानन उद्योग पर संकट

एटीएफ की आसमान छूती कीमतों पर एयरलाइंस ने सरकार से मांगी राहत

एजेंसी मुंबई

भारत का विमानन उद्योग इस समय ईंधन की ऊंची कीमतों और भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण 'अत्यधिक दबाव' के दौर से गुजर रहा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने एयरलाइंस के लिए बड़ा आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देश की प्रमुख एयरलाइंस के संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस' (एफआईए) ने सरकार से विमानन ईंधन की कीमतों और करों में तत्काल राहत देने की मांग की है। संगठन ने स्पष्ट रूप से चेताया है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो उड़ान संचालन के ठप होने की स्थिति बन सकती है।

किसी भी विमानन कंपनी के कुल परिचालन खर्च में एटीएफ की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत होती

है। ऐसे में ईंधन के दाम में थोड़ा भी बदलाव सीधे कंपनियों के बही-खातों पर असर डालता है। एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट की भागीदारी वाले संगठन एफआईए ने 26 अप्रैल को नागर विमानन मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में एयरलाइंस ने अपनी प्रमुख चिंताएं और मांगें रखी हैं: ईंधन की महंगी कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट के कारण लागत में भारी इजाफा हुआ है। इसे देखते हुए एयरलाइंस ने एटीएफ पर लगने वाले 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क को अस्थायी रूप से टालने की मांग की है।

तेजी से बढ़ रही समृद्ध लोगों की संख्या, गैर-मेट्रो शहरों में भी विस्तार

नई दिल्ली

डिजिटल भुगतान समाधान प्रदान करने वाली कंपनी वीजा की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में समृद्ध लोगों की संख्या बढ़ रही है और इसका विस्तार अब मझौले तथा छोटे शहरों में भी तेजी से देखा जा रहा है।

'भारत की समृद्ध अर्थव्यवस्था 2025-26' के नाम से मंगलवार को जारी इस श्वेतपत्र रिपोर्ट में कहा गया है कि 'समृद्ध भारत' तेजी से बढ़ रहा है और एक नये चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां उपभोग अधिक सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण हो गया है, तथा व्यक्तिगत पहचान से गहराई से जुड़ा हुआ है। अधिक खरीदारी करने की बजाय समृद्ध उपभोक्ता अब ऐसे उत्पाद चुन रहे हैं जो अर्थपूर्ण, दिखने योग्य और बार-बार खरीदने लायक

हों।श्वेतपत्र में समृद्ध आबादी में उन लोगों को शामिल किया गया है जिनकी आय 10 लाख रुपये से अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में 10 लाख रुपये से अधिक आय वाले लोगों की संख्या 69 लाख से बढ़कर 130 लाख हो गयी है। यह एक बड़े उपभोक्ता वर्ग को दर्शाता है, जो आवश्यकताओं से परे खर्च करने और वैकल्पिक श्रेणियों में सक्रिय भागीदारी करने में सक्षम है। खास बात यह पाई गई है कि समृद्धि अब केवल मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे महानगरों तक सीमित नहीं है।

लगातार बढ़ रही है खर्च की प्रवृत्ति

वीजा कन्सल्टिंग एंड एनालिटिक्स के भारत और दक्षिण एशिया प्रमुख सुष्मित नाथ ने कहा कि समृद्धि अब अवसर विशेष तक सीमित नहीं है। वैकल्पिक खर्च की प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है और यह केवल बड़े अवसरों तक सीमित नहीं है। श्री नाथ के अनुसार, यह बदलाव दर्शाता है कि प्रीमियम उपभोग अब व्यापक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, खासकर जब समृद्धि महानगरों से बाहर फैल रही है। अब यह खर्च अनुभव-आधारित होता जा रहा है, जिसमें विशिष्टता, व्यक्तिगत अनुभव और सहज पहुंच की मांग प्रमुख है।

सिनेमा से बिजनेस तक : अभिनेत्री दिविता जुनेजा की नई उड़ान

D'JANAÉ Attars के साथ दिविता जुनेजा की लक्जरी फ्रेग्रेंस मार्केट में एंट्री

मुंबई। अंबाला व चंडीगढ़ के बीच पली-बढ़ी दिविता जुनेजा के जीवन में सिनेमा ने काफी जल्दी दस्तक दे दी थी। देश के जाने-माने उद्यमी संजीव जुनेजा की बेटी होने के नाते उन्हें बचपन से ही बिजनेस और ब्रांडिंग की बारीकियों को करीब से समझने का अवसर मिला। उनके पिता ने पेन रिलीफ और पेट केयर से जुड़े प्रोडक्ट्स के क्षेत्र में एक मजबूत और सफल बिजनेस खड़ा किया है, जिसका प्रभाव दिविता की सोच और विजन में साफ दिखाई देता है।

हाल ही में रिलीज हुई उनकी डेब्यू फिल्म "हीर एक्सप्रेस" में उन्होंने अनुभवी कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की, लेकिन दिविता की असली खासियत सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। उनका आफ-स्क्रीन विजन और उद्यमशीलता उन्हें अलग पहचान दिला रही है।

इसी कड़ी में, दिविता अब अपने पहले वेडिंग-थीम्ड पाप-अप इवेंट के साथ मुंबई के वर्ली स्थित एक स्टूडियो में कदम रखने जा रही हैं, जहां वह अपने लक्जरी फ्रेग्रेंस ब्रांड **D'JANAÉ Attars** को लान्च करेंगी। यह ब्रांड खास तौर पर शादियों और बड़े सेलिब्रेशन्स से जुड़े हाई-वैल्यू गिफ्टिंग सेगमेंट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

मास मीडिया में स्नातक दिविता का फ्रेग्रेंस को लेकर नजरिया बेहद स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। **D'JANAÉ Attars** का मतलब है "डिवाइन एसेंस" यानी ऐसी खुशबू जो सिर्फ महक नहीं, बल्कि एक भावना और अनुभव बनकर उभरे। ब्रांड के अंतर्गत **Shanti, Shringaar, Oud Al Malik** और **Oud Al Malika** जैसे प्रोडक्ट्स शामिल हैं, जो पारंपरिक भारतीय खुशबूओं को आधुनिक और प्रीमियम टच के साथ प्रस्तुत करते हैं।

D'JANAÉ की खासियत सिर्फ इसकी खुशबू तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कस्टमाइज्ड और पर्सनलाइज्ड गिफ्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करता है। जिसमें नाम, इनीशियल्स, खास संदेश और प्रीमियम पैकेजिंग शामिल हैं। यह ब्रांड उन लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो अपने खास पलों को और भी खास बनाना चाहते हैं।

दिविता का लक्ष्य स्पष्ट है कि भारत की पारंपरिक खुशबूओं को एक ग्लोबल और लक्जरी पहचान देना, जो देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग छाप छोड़ सके।

सिनेमा और बिजनेस, दोनों क्षेत्रों में अपने कदम मजबूती से रखते हुए, दिविता जुनेजा एक नई पीढ़ी की ऐसी युवा हस्ती के रूप में उभर रही हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के बीच एक खूबसूरत संतुलन बनाकर आगे बढ़ रही हैं।